दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

बढ़ती उम्र में जब अकसर हो जोड़ों में दर्द और जकड़न.....

कारगर उपचार .....

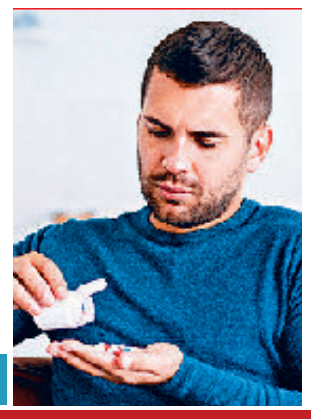

वर्ष : 10 अंक : 265 लखनऊ, 06 सितम्बर , शुक्रवार 2024 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रुपए

अगर माफिया ने सिर उठाने की हिम्मत की तो हम उसे तबाह कर देंगे

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चेतावनी दी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की। फूलपुर जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर माफिया ने सिर उठाने की हिम्मत की तो सरकार उसे नष्ट कर देगी । उन्होंने कहा, हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान करना हमारी जिम्मेदारी है और मेरी सरकार हमारी बेटियों और बहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किसी भी हद तक जाएगी। और मैं फिर से दोहराता हूं, अगर माफिया ने सिर उठाने की हिम्मत की तो सरकार उसे नष्ट कर देगी।

किसी का नाम लिए बिना उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि माफिया के खिलाफ बुलडोजर चलाने के लिए साहस की जरूरत होती है। मुख्यमंत्री ने कहा, माफिया के सामने झुकने वाले बुलडोजर नहीं चला सकते। इसके बजाय, उन्हें बुलडोजर देखते ही दिल का दौरा पड़ जाता है।

योगी आदित्यनाथ की यह टिप्पणी समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के साथ राज्य में दोषियों से जुड़े अवैध ढांचों को गिराने के लिए बुलडोजर के विवादास्पद इस्तेमाल को लेकर वाकयुद्ध के बीच आई है।

'कवि कुम्भ' से महाकुंभ-2025 का आगाज करेगी योगी सरकार

प्रदेश में आयोजित होगा देश का सबसे बड़ा काव्योत्सव

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। योगी सरकार इस शिक्षक दिवस पर तीन दिवसीय देश का सबसे बड़ा काव्योत्सव आयोजित कर रही है। 'कवि कुम्भ' के नाम से आयोजित हो रहे इस कार्यक्रम प्रयागराज महाकुम्भ-2025 का आगाज माना जा रहा है। इसमें प्रदेश देश एवं प्रदेश के लगभग 340 कवि/कवयित्री प्रतिभाग करेंगे, आमजनमानस कविताओं के माध्यम से महाकुम्भ के महिमा के बारे में जानकारी देंगे। आयोजन के अन्तर्गत मंच के स्थापित कवि एवं नवोदित कवियों के मध्य संवाद स्थापित करते हुए सेतु का काम भी किया जाएगा।

इस तीन दिवसीय 'कवि कुम्भ' में दिनांक 05 व 06 सितम्बर, 2024 को रात में 09:30 बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश के गणमान्य स्थापित कवि काव्य पाठ करेंगे। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य कवियों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रवाद, धर्म, महिलाओं के प्रति सम्मान करने की भावना को जागृत करती हुई कविताओं के लेखन एवं वाचन की प्रेरणा देना है, जिससे सकल समाज में यह भावनायें प्रसारित हो सकें।

मंगेश यादव का एसटीएफ ने किया एनकाउंटर, एक लाख का था इनामी

जाति देखकर ली गयी जान : अखिलेश यादव

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में आभूषण की दुकान में दिनदहाड़े डकैती का एक वांछित अपराधी और मुख्य आरोपी गुरुवार तड़के राज्य विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के साथ मुठभेड़ में मारा गया। मंगेश यादव, जिसके सिर पर 1 लाख रुपये का इनाम था, मुठभेड़ के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे इलाज के लिए सीएचसी भदैया में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने मौके से 32 बोर की पिस्टल, कारतूस, 315 बोर का पिस्टल, बाइक और लूटे गए आभूषण बरामद किए हैं। जौनपुर के मूल निवासी मंगेश पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज थे।

अखिलेश के सवाल

हालांकि, इस मुठभेड़ को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सवाल खड़े कर दिए है। मंगेश यादव के पुलिस एनकाउंटर पर अखिलेश यादव ने चिंता जताई है। मुठभेड़ में मारे गए यादव को सपा प्रमुख ने ₹फर्जी मुठभेड़₹ का शिकार करार दिया है। यादव ने अधिकारियों पर जाति के आधार पर व्यक्तियों को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल से जुड़े लोगों की संलिप्तता को छुपाने के लिए मुठभेड़ का मंचन किया गया था।

अखिलेश ने एक्स पर लिखा कि लगता है सुल्तानपुर की डकैती में शामिल लोगों से सत्ता पक्ष का गहरा संपर्क था, इसीलिए तो नकली एनकाउंटर से पहले मुख्य आरोपी से संपर्क साधकर सरेंडर करा दिया गया और अन्य सपक्षीय लोगों के पैरों पर सिर्फ.दिखावटी गोली मारी गयी और जात देखकर जान ली गयी। उन्होंने कहा कि जब मुख्य आरोपी ने सरेंडर कर दिया है तो लूट का सारा माल भी पूरा वापस होना चाहिए और सरकार को मुआवजा अलग से देना चाहिए क्योंकि ऐसी घटनाओं का जो मानसिक आघात होता है उससे उबरने में बहुत समय लगता है, जिससे व्यापार की हानि होती है, जिसकी क्षतिपूर्ति सरकार करे।

मौसम

अधिकतम तापमान 43.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,332.72

निफ्टी 24,834.85

बुलडोजर राजनीति छोड़कर जंगली जानवरों से निपटने की रणनीति बनाए सरकार : मायावती

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश सरकार को सलाह दी कि वह बुलडोजर राजनीति छोड़कर जंगली जानवरों से निपटने की रणनीति बनाए। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, उप्र के कुछ जिलों में जंगली जानवर बच्चों, बुजुर्गों, नौजवानों आदि पर हमला कर रहे है। उसे रोकने के लिए सरकार जरुरी कदम उठाये। मजदूर और गरीब लोग जंगली जानवरों के हमलों के डर की वजह से अपने पशुओं के चारे का प्रबन्ध तथा मजदूरी भी नहीं कर पा रहे हैं। उनके लिए उचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा, साथ ही सरकार जंगली जानवरों से निपटने की भी रणनीति बनाये। इस समय सरकार व सपा को बुलडोजर की राजनीति करने की बजाय यह मामला अदालत पर छोड़ देना चाहिये, जहाँ न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है।

महाराष्ट्र के डीएनए में है कांग्रेस की विचारधारा

शिवाजी की मूर्ति ढहने पर हर व्यक्ति से मांगनी चाहिए माफी : राहुल गांधी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। सांगली जिले में रैली में राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र कांग्रेस विचारधारा का गढ़ है, यहां के लोगों में हमारी पार्टी का डीएनए है। उन्होंने कहा कि पहले राजनीति होती थी, लेकिन आज भारत में वैचारिक लड़ाई है। हम सामाजिक प्रगति चाहते हैं लेकिन वे (भाजपा) चाहते हैं कि केवल चुनिंदा लोगों को ही सारा लाभ मिले। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और हमारा गठबंधन यह सुनिश्चित करेगा कि देश में जाति आधारित जनगणना हो। उन्होंने दावा किया कि मैंने लोकसभा में कहा है कि कांग्रेस जाति जनगणना कराएगी। हमारा गठबंधन इसे पूरा करेगा।

राहुल ने यह भी पूछा कि मैं जानना चाहता हूं कि शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने पर उनसे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा माफी मांगे जाने की क्या वजह थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को प्रतिमा ढहने के लिए न केवल शिवाजी महाराज से, बल्कि महाराष्ट्र के हर व्यक्ति से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम यहां डॉ. पतंगराव कदम जी की याद में आए हैं। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी कांग्रेस, महाराष्ट्र और देश को दे दी। कदम जी ने शिक्षा और विकास से जुड़े काम किए, साथ ही पूरी जिंदगी कांग्रेस के साथ खड़े रहे। जब इंदिरा गांधी जी चुनाव हारी थीं, तब भी कदम जी उनके साथ खड़े थे।

कांग्रेस नेता ने कहा कि महाराष्ट्र एक प्रगतिशील प्रदेश है। यहां अलग-अलग लोगों ने काम किया और जनता को एकसाथ लेकर चले। उन सभी ने महाराष्ट्र को रास्ता दिखाया है। छत्रपति शिवाजी महाराज, शाहू जी महाराज, फुले जी समेत कई लोगों ने महाराष्ट्र के साथ-साथ पूरे देश को जीने का तरीका दिया, प्रगति और प्रेरणा दी। इससे पहले राहुल गांधी ने सांगली जिले में कांग्रेस के दिवंगत नेता पतंगराव कदम की आदमकद प्रतिमा का बृहस्पतिवार को अनावरण किया। कदम ने महाराष्ट्र में कई विभागों में मंत्री पद संभाला था।

कई वर्षों तक पलूस-काडेगांव विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले कदम की प्रतिमा जिले के वांगी में स्थापित की गई है। गांधी ने वांगी में दिवंगत नेता को समर्पित एक संग्रहालय का भी दौरा किया।

संक्षिप्त समाचार

निर्माणाधीन इमारत का स्लैब ढहने से तीन मजदूरों की मौत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, मुंबई के मलाड में बृहस्पतिवार को एक निमार्णाधीन इमारत के स्लैब का एक हिस्सा ढह जाने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। नगर निकाय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना मलाड (पूर्व) के गोविंद नगर इलाके में दोपहर करीब 12 बजकर 10 मिनट पर हुई। एक अधिकारी ने बताया, शुरूआती जानकारी के अनुसार निमार्णाधीन 23 मंजिला इमारत की 20वें मंजिल के स्लैब का कुछ हिस्सा ढह गया। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग की टीम इस बात की जांच कर रही है कि कहीं घटनास्थल पर और अधिक मजदूरों तो नहीं फंसे हैं। उन्होंने कहा कि घायल मजदूरों को पास के एम. डब्ल्यू. देसाई अस्पताल ले जाया गया। इनमें से दो को आईसीयू में भर्ती कराया गया था जबकि अन्य को हड्डी रोग विभाग के वार्ड में भर्ती कराया गया था।

केंद्र सरकार की अग्निपथ भर्ती योजना में बदलाव करने की योजना, पात्रता में भी करेगा परिवर्तन

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, रक्षा सूत्रों ने इंडिया टुडे को बताया कि केंद्र अग्निपथ भर्ती योजना में बदलाव करने की योजना बना रहा है और सेना में अग्निवीरों की संख्या बढ़ा सकता है, साथ ही वेतन और पात्रता में भी बदलाव कर सकता है। सूत्रों ने बताया कि सेना ने पहले ही सरकार को अपनी सिफारिशें भेज दी हैं। रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, अग्निवीरों की संख्या बढ़ाने पर विचार-विमर्श चल रहा है, ताकि उनमें से अधिक संख्या में लोग अपने शुरूआती चार साल के कार्यकाल के बाद पूर्णकालिक सेवा में बने रह सकें।

महाराष्ट्र में ढही शिवाजी की मूर्ति के शिल्पकार जयदीप आप्टे को गिरफ्तार किया गया

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, अधिकारियों ने बताया महाराष्ट्र पुलिस ने पिछले महीने राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति के ढहने के मामले में वांछित मूर्तिकार-ठेकेदार जयदीप आप्टे को बुधवार को ठाणे जिले के कल्याण से गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार, आप्टे को फिलहाल पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के कार्यालय में हिरासत में रखा गया है। कल्याण के 24 वर्षीय मूर्तिकार को 35 फीट ऊंची छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति के 26 अगस्त को ढहने के बाद से करीब 10 दिनों तक लापता रहने और उसका पता न चलने के बाद गिरफ्तार किया गया। इस मूर्ति का उद्घाटन नौ महीने से भी कम समय पहले हुआ था। विशेष रूप से, कल्याण में एक कला कंपनी के मालिक आप्टे को बड़ी मूर्तियों के निर्माण का कोई पूर्व अनुभव नहीं है, लेकिन उन्होंने सिंधुदुर्ग के मालवन में राजकोट किले में शिवाजी महाराज की मूर्ति बनाने का काम किया था, जिसका उद्घाटन पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। मराठा राज्य के प्रतिष्ठित संस्थापक की प्रतिमा के ढहने से महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक विवाद पैदा हो गया है, जिसमें विपक्ष ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की है। आप्टे की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने कहा, जो लोग हमारी सरकार की आलोचना कर रहे थे, उन्हें अब अपना मुंह बंद कर लेना चाहिए।

केजरीवाल सरकार शिक्षा में क्रांति लेकर आई : आतिशी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार एकमात्र ऐसी सरकार है जो मंत्रियों और अधिकारियों के बजाय प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को उन्नत प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने को प्राथमिकता देती है। आतिशी ने कहा, यह केजरीवाल सरकार द्वारा लाई गई शिक्षा क्रांति है। शिक्षक दिवस पर दिल्ली राज्य शिक्षक पुरस्कार समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए आतिशी ने कहा कि केजरीवाल सरकार एकमात्र ऐसी सरकार है जो मंत्रियों और अधिकारियों के बजाय प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजती है। उन्होंने बताया कि 400 से अधिक प्रधानाचार्यों और शिक्षकों ने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जबकि 950 शिक्षकों को सिंगापुर में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान और 1,700 शिक्षकों को आईआईएम अहमदाबाद में प्रशिक्षित किया गया है। अपनी पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा, मेरे माता-पिता दोनों दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षक थे। मेरा इस पेशे से व्यक्तिगत जुड़ाव है और मैं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व को समझती हूं। उन्होंने शिक्षकों का सम्मान करने के महत्व पर भी जोर देते हुए कहा, हमने शिक्षकों को गुरु के पद पर आसीन किया है और भावी पीढ़ियों को आकार देने में उनकी अहम भूमिका है।

बाढ़ प्रभावित तेलंगाना और आंध्र का दौरा करेंगे शिवराज

केंद्र सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, दक्षिण के दो राज्य आंध्र प्रदेश और तेलंगाना भीषण बाढ़ की चपेट में हैं। केंद्र आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में मौजूदा बाढ़ की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और उसने विशेषज्ञों की एक टीम गठित की है जो राज्य के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर मौके पर ही आकलन करेगी और तत्काल राहत के लिए सिफारिशें करेगी। इन सबके बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान दोनों की राज्यों का दौरा करेंगे और स्थिति की समीक्षा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें ये आदेश दिया गया है।

शिवराज ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर मैं, आज और कल आंध्रप्रदेश, तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करूंगा। उन्होंने कहा कि आज आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर वहां भाइयों-बहनों और किसानों से चर्चा करूंगा। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हुई क्षति आकलन के लिए विजयवाड़ा में अधिकारियों के साथ बैठक करूंगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कल तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित खम्मम जिले सहित अन्य क्षेत्रों का दौरा कर वहां जनता के साथ चर्चा करूंगा। फसल क्षति आकलन के लिए किसान भाइयों-बहनों से बात करूंगा।

भाजपा नेता ने लिखा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर केन्द्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारियों की टीम मेरे साथ रहेगी। हमारे अधिकारी, राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर फसल क्षति आकलन के लिए बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। संकट की इस घड़ी में केंद्र सरकार आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की जनता के साथ पूरी तरह खड़ी है और संकट से बाहर निकालने में उनकी हर संभव मदद करेगी।

वहीं, अमित शाह ने एक्स पर लिखा कि आंध्र प्रदेश में जारी बाढ़ के हालात पर मोदी सरकार करीब से नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने आज अतिरिक्त सचिव (आपदा प्रबंधन), गृह मंत्रालय के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक केंद्रीय टीम का गठन किया। टीम बाढ़ प्रबंधन, जलाशय प्रबंधन, बांध सुरक्षा के मुद्दों आदि का मौके पर आकलन करने के लिए बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी और तत्काल राहत के लिए सिफारिशें करेगी।

अरविंद केजरीवाल की जमानत पर सुनवाई पूरी, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, अरविंद केजरीवाल की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में अरविंद केजरीवाल की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस भुईया ने फैसला सुरक्षित रखा है। अगले हफ्ते तक शायद इस पर फैसला आ सकता है। मुख्यमंत्री की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलीलें पेश करनी शुरू कीं और उच्चतम न्यायालय को बताया कि सीबीआई की प्राथमिकी में अरविंद केजरीवाल का नाम नहीं था। सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत देते हुए कहा था कि मुख्यमंत्री समाज के लिए खतरा नहीं हैं। जमानत का अनुरोध करते हुए सिंघवी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल एक संवैधानिक पदाधिकारी हैं, उनके भागने का जोखिम नहीं है।

अभिषेक सिंघवी ने न्यायालय से कहा कि सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल को करीब दो साल तक गिरफ्तार नहीं किया, ईडी मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री को जमानत मिलने के बाद बीमा गिरफ्तारी की गई। अभिषेक सिंघवी ने न्यायालय से कहा कि गिरफ्तारी से पहले सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल को कोई नोटिस नहीं दिया, अधीनस्थ अदालत ने गिरफ्तारी का एकपक्षीय आदेश पारित किया। केजरीवाल मामले की सुनवाई के दौरान सिंघवी ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि मामले में सिसोदिया और कविता समेत हर संभावित सह-आरोपी को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने उच्चतम न्यायालय में अरविंद केजरीवाल की याचिका का सीबीआई की ओर से विरोध किया और कहा कि उन्हें जमानत के लिए अधीनस्थ अदालत जाना चाहिए।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल को नोटिस इसलिए जारी नहीं किया, क्योंकि वह पहले से ही न्यायिक हिरासत में थे। एएसजी एसवी राजू ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि अरविंद केजरीवाल ने आरोपपत्र की प्रति संलग्न नहीं की है, उनकी जमानत याचिका चीजों को छिपाने के आधार पर खारिज की जानी चाहिए। एएसजी एसवी राजू ने कहा कि अगर उच्चतम न्यायालय अरविंद केजरीवाल को जमानत देता है, तो इससे दिल्ली उच्च न्यायालय का मनोबल गिरेगा।

शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर सरोजनी नगर के सैकड़ो शिक्षक सम्मानित किए गए

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।सर्वजन हिताय संरक्षण समिति के तत्वाधान में शिक्षक समान समारोह का आयोजन गौतम बुद्ध डिग्री कॉलेज बिजनौर सरोजनी नगर में किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह सदस्य विधान परिषद लखनऊ खंड स्नातक क्षेत्र से तथा शैलेंद्र दुबे अध्यक्ष सर्वजन हिताय संरक्षण समिति, रश्मि शर्मा प्राचार्य गौतम बुद्ध डिग्री कॉलेज तथा सेवक राम सर्वांगीण विकास कॉलेज के संस्थापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना, महान शिक्षाविद डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन को पुष्पांजलि अर्पित कर और अतिथि और शिक्षक स्वागत गीत के साथ हुई।

मुख्य अतिथि अवनीश सिंह ने सभी शिक्षकों को नमन करते हुए प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में शिक्षक की मेहनती भूमिका होती है और डिजिटलाइजेशन के युग में आज महंगे महंगे कक्षा के शिक्षण कार्य यूट्यूब तथा अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से गांव और दूर दराज राज्य के बच्चों तक भी पहुंच सकते हैं। सर्वजन संरक्षण समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने सभी को बताया कि अन्याय के खिलाफ लड़ने की ताकत हमें शिक्षक द्वारा ही नैतिक शिक्षा और आत्म बल के माध्यम से ही प्राप्त हो सकती है। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने पूरे देश की नहीं दुनिया को शिक्षा के माध्यम से ज्ञान की ज्योति कैसे फैलाई जाती है यह बताया, उनके जीवन चरित्र के प्रत्येक पन्ने में बहुत सी महत्वपूर्ण घटनाएं हैं जिन्हें हमें आज आदर्श के रूप में देखते हुए जीवन में पालन करना चाहिए। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रीना त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षण कार्य बल किसी राष्ट्र के भविष्य को बनाने में एक शक्तिशाली कारक है एक शिक्षक ही वह प्राथमिक व्यक्ति होता है जो बच्चों को शिक्षा और ज्ञान प्रदान करता है माता-पिता के अलावा भी अपने पूरे परिवार को ज्ञान सिखा कर सबसे अच्छा मार्गदर्शन प्रदान करते हैं वह नैतिक समर्थन प्रदान करते हैं और बच्चों को अंतिम रूप से सलाह देते हैं। आज के डिजिटलाइजेशन के युग में कोरोना महामारी के बाद अधिकतर आंकड़े पेपरलेस वर्क की कार्यशैली को बढ़ावा देने के लिए ऑनलाइन ही किये जा रहे हैं ।प्रतिदिन शिक्षकों को अधिकतर आंकड़े ऑनलाइन देने पड़ते हैं उत्तर प्रदेश के अभिनव प्रयोग के तहत प्रत्येक स्कूल में टैबलेट के माध्यम से विभिन्न रजिस्टरों के रखरखाव की प्रक्रिया चल रही है जिसे शिक्षक करता है और इन सब से प्रक्रिया तो आसान हुई है पर नेटवर्किंग की समस्या के कारण बहुत से शिक्षक अनायास आंकड़े ना भेज पाने के कारण कार्रवाइयों की शिकार हो जाते हैं। समय-समय पर सरकार द्वारा डिजिटल हाजिरी के आदेश जारी किए जाते हैं इस तरह की उपस्थिति और समय की पाबंदी का खामियाजा शिक्षकों को झेलना पड़ता है क्योंकि गांव और दूरदराज के इलाकों में नेटवर्क नहीं होता। सभी शिक्षकों नेएक सुर में यह कहा कि यदि शिक्षकों को उनके मूल कार्य हेतु स्वतंत्र छोड़ दिया जाए और विद्यालय में शिक्षक शिक्षार्थी और पढ़ाई पर ही ध्यान केंद्रित किया जाए विभिन्न आंकड़ों की समय बबार्दी में शिक्षकों को ना लगाया जाए तो निश्चित रूप से देश में शिक्षा की स्थिति गुणवत्ता का स्तर और बच्चों की मानसिक स्तर में भी सुधार होगा। कार्यक्रम में रमा शर्मा, उषा त्रिपाठी, क्षमा सिंह, सुमन दुबे रेनू त्रिपाठी, सुरेश जयसवाल, प्रकाश चंद तिवारी, अनिल सिंह, भूपेश ओझा, ज्ञान प्रताप,संजय सिंह सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

माल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

अमन लेखनी समाचार

मृतक देवेंद्र उर्फ अमित सिंह - फोटो

लखनऊ। घर की विद्युत सप्लाई सही करते समय युवक की करेंट की चपेट में आने से मौके पर मौत परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

माल थाना क्षेत्र के ग्राम नरायनपुर निवासी देवेन्द्र उर्फ अमित सिंह (29) बृहस्पतिवार दोपहर बाद घर में विद्युत सप्लाई न आने के कारण वह लाइट सही कर रहा था उस समय आपूर्ति चालू थी जिससे वह अचानक करंट की चपेट में आकर जमीन पर गिर पड़ा और करंट से झूलसने के साथ ही उसे गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई अचानक हुई इस घटना से मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए और पूरे परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के पिता की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिये भेजा दिया है।मृतक देवेन्द्र उर्फ अमित सिंह की शादी करीब दो वर्ष पहले हुई थी। और वह अपने पिता का इकलौता पुत्र था मृतक के परिवार मे माता, पिता और पत्नी शालिनी है। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

इस संबंध में माल थाना प्रभारी निरीक्षक विनय चतुवेर्दी ने बताया कि युवक की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई है, शव को पोस्टमार्टम के लिए म्यूचरी भेज दिया गया है।

महाकुंभ 2025: योगी सरकार 7000 रोडवेज बसों के साथ 550 सिटी बसें भी करेगी संचालित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। परिवहन निगम आगामी महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 7000 बसों का संचालन करेगा। प्रथम चरण में 3050 बसों का संचालन किया जाएगा, जबकि द्वितीय चरण में सभी 7000 बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।इसी तरह स्थानीय स्तर पर यात्रियों की सुविधा के लिए 550 सिटी बसों को भी संचालित किया जाएगा, जिसमें 200 बसों का संचालन नगरीय परिवहन द्वारा जबकि शेष 350 बसों का संचालन परिवहन निगम द्वारा किया जाएगा। परिवहन निगम मुख्यालय में गुरुवार को आगामी महाकुंभ मेले से संबंधित संचालन व्यवस्था के संबंध में सभी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ अपर प्रबंध निदेशक महोदय द्वारा समीक्षा बैठक की गई जिसमें परिवहन निगम मुख्यालय के सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार प्रयागराज में जनवरी और फरवरी 2025 में होने जा रहे इस महाआयोजन को पूरी भव्यता का साथ आयोजित करने जा रही है।

बेखौफ चोरों ने एक घर को बनाया निशाना, नगदी और गहने किया पार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर में बुधवार रात बेखौफ चोरों ने एक घर को अपना निशाना बनाकर हजारों रुपए की नगदी और गहने पार कर दिए। पुलिस जांच पड़ताल के बाद रिपोर्ट दर्ज कर चोरों का सुराग लगा रही है। सरोजनीनगर के अनौरा गांव निवासी कुंदन सिंह ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एक कंपनी में प्राइवेट जॉब करते हैं। कुंदन के मुताबिक बुधवार रात परिवार सहित वह एक कमरे में सो रहे थे। तभी दरवाजे के ऊपर लगी लोहे की जाल के रास्ते दाखिल हुए चोरों ने दूसरे कमरे में करीब 60 हजार रुपये कीमत के गहने और 32 हजार रुपए की नगदी से भरा रखा बैग उठा ले गए। गुरुवार सुबह जानकारी होने पर कुंदन ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने मौके की जांच पड़ताल की। सरोजनीनगर थाना प्रभारी राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और चोरों का सुराग लगाया जा रहा है।

लूट व चोरी की चार घटनाओ का खुलासा, तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार ,भेजा जेल

मोहनलालगंज पुलिस के हत्थे चढे तीन शातिर बदमाश,लुट व चोरी की चार घटनाओ का खुलासा,माल बरामद

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज। राजधानी के मोहनलालगंज,पीजीआई व सरोजनीनगर थाना क्षेत्रो में बीते सोमवार को 12घंटो के अंदर चोरी व लूट की चार वारदातो को अजांम देकर फरार हुये बैखोफ बदमाशो के तीन साथियो को गुरूवार को मोहनलालगंज पुलिस ने दबोचकर उनके पास से दो बाइको समेत लूटा गया एक मोबाइल फोन व नगदी समेत अन्य सामान बरामद किया।पुलिस ने तीनो बदमाशो को बरामद माल के साथ न्यायालय में पेश किया,जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया।वही फरार एक बदमाश की पुलिस सरगर्मी से तलाश में जुट गयी।

एसीपी रजनीश वर्मा ने बताया बीते सोमवार देर रात साढे दस बजे के करीब मोहनलालगंज के डेबरिया भरसवा गांव के पास साइकिल से घर जा रहे निजी कम्पनी के कर्मचारी प्रियांशु निवासी कुशमौरा थाना निगोहां से दो बाइक सवार चार बदमाशो ने पिटाई कर वेतन का 12हजार रुपए व मोबाइल फोन छीन कर भाग निकले थे.दूसरी घटना मगंलवार की सुबह बैखोफ बदमाशो ने अजांम देते हुये जल जीवन मिशन के अन्तर्गत गोविंदपुर में बन रही पानी की टंकी के पम्प हाउस में लगा इनवर्टर व बैट्रा चुरा ले गये थे.दोनो ही घटनाओ के पीड़ितो की तहरीर पर अज्ञात बदमाशो के विरूद्व लूट व चोरी की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर उक्त घटनाओ के खुलासे के लिये इंस्पेक्टर आलोक राव के नेतृत्व में पुलिस की तीन टीमो को लगाया गया था.सर्विलांस टीम की मदद से गुरूवार की सुबह पुलिस टीमो ने मीनापुर गांव के पास से तीन शातिर बदमाशो को धर दबोचा जब कि उनका एक साथी भाग निकला,थाने लाकर कड़ाई से पुछताछ करने पर बदमाशो ने अपना नाम शिवम यादव,रोहित यादव,राहुल गौतम निवासीगण गिलशाहमऊ थाना असोहा जनपद उन्नाव व फरार साथी का नाम अनिल निवासी दीवानखेड़ा मजरा कालूखेड़ा थाना असोहा बताया।गैंग के सरगना शिवम यादव ने पुछताछ में सोमवार-मगंलवार की मध्यरात्रि मोहनलालगंज में एक लूट व चोरी की व सरोजनीनगर के ट्रांसपोर्ट नगर में ट्रक चालक से चार हजार रुपए व मोबाइल फोन लुटने व पीजीआई से घर के बाहर खड़ी अपाचे बाइक चुराने की घटना को अपने साथियो के साथ अजांम दिया था।पुलिस ने तीनो बदमाशो की निशानदेही पर चोरी की गयी बाइक व इनवर्टर व बैटरा व लूट गया मोबाइल फोन व 8800रुपए बरामद किये।पुलिस दबोचे गये बदमाशो के फरार साथी अनिल की सरगर्मी से तलाश में जुट गयी है।एसीपी ने चारो घटनाओ का सफल अनावरण करने वाले इंस्पेक्टर आलोक राव,दारोगा साजिद अली,रजनीश कुमार,आशुतोष दीक्षित,कास्टेबल गीतम सिंह,अमित कुमार,मो०आरिफ की पीठ थपथपाकर बंधाई दी।

पांच दिन पहले ही जेल से छुटा था गैंग का सरगना शिवम..

इंस्पेक्टर आलोक राव ने बताया लूट व चोरी की घटनाओ को अजांम देने वाले गैंग का सरगना शिवम यादव बीते शनिवार को ही जेल से छुटा,पीजीआई पुलिस ने उसे कुछ महीने पहले एक चोरी के मुकदमें में जेल भेजा था,जेल से छुट कर आने के बाद उसने अपने गैंग के रोहित यादव,अनिल यादव व राहुल गौतम के साथ एक ही दिन में 12घंटो के अंदर तीन थाना क्षेत्रो में लूट व चोरी की चार वारदातो को अजांम देकर भाग निकला था,गुरूवार की सुबह वो फिर अपनी गैंग के साथ चोरी की घटना को अजांम देने आया था तभी पुलिस टीमो ने सरगना समेत तीन बदमाशो को दबोच लिया।

जन शिक्षण संस्थान ने शिक्षको को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज में गुरुवार को शिक्षक दिवस पर जन शिक्षण संस्थान द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि नवजीवन इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य आर सी त्रिपाठी जी को जननायक सुजीत पाण्डेय मेमोरियल ट्रस्ट के प्रबंधक सुंदरम पांडे ने फूल माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि आर सी त्रिपाठी ने कहा कि एक शिक्षक जीवन को दिशा दिखाता है,जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है।शिक्षक ही हैं जो हमें अच्छे नागरिक बनाने में मदद करते हैं,और समाज के लिए उपयोगी बनाते हैं।साक्षरता निकेतन के प्रशिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्थान के निदेशक अवधेश कुमार ने प्रशिक्षकों द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की। सहायक कार्यक्रम अधिकारी शुभम मिश्रा ने कहा कि युवाओं को अपना समय प्रबंधन कर लग्न मेहनत से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए।इस मौके पर आईपी गुप्ता,रिटायर्ड सैनिक अजीत यादव,शिवम साहू मौजूद रहें।

लावारिस टेंपो के अंदर जानवरों का मांस लदा होने की खबर से मचा हड़कंप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ।बिजनौर इलाके में गुरुवार को सड़क किनारे लावारिस खड़ी एक विक्रम टेंपो के अंदर प्रतिबंधित जानवरों का मांस लदा होने की खबर से हड़कंप मच गया। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस लदे मांस सहित विक्रम टेंपो थाने ले आई। पशु चिकित्सा टीम ने माँस के नमूने लेकर जाँच के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर टेंपो नंबर के आधार पर आरोपियों का पता लगा रही है। बताते हैं कि बिजनौर थाना क्षेत्र में परवर पश्चिम के मजरा गढ़ी मवैया के पास रात में एक विक्रम टेंपो खड़ा होने के साथ ही उसका अगला पहिया खराब था। गुरुवार सुबह लावारिस खड़े टेंपो को देख गांव के लोग वहां पहुंचे तो टेंपो के अंदर प्लास्टिक की चार बोरियां लदी मिली और उनसे खून बह रहा था। यह देखते ही लोगों के होश उड़ गए। उन्होंने देखा तो बोरियों के अंदर मांस भरा था। साथ ही पशुओं को काटने वाली छुरी और रस्सी पड़ी थी। इससे लोगों को प्रतिबंधित पशुओं का मांस होने का संदेह हुआ और ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। बाद में उन्होंने इसकी सूचना बिजनौर पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस मांस लदे टेंपो को थाने ले आई। पुलिस ने इसकी सूचना पशु चिकित्सा अधिकारियों को दी। बिजनौर थाना प्रभारी अरविंद कुमार राणा का कहना है कि सूचना के बाद पहुंची पशु चिकित्सा अधिकारियों की टीम ने जांच के लिए मांस के नमूने लेकर मथुरा भेज दिए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि जांच के बाद ही पता चल सकेगा कि यह माँस प्रतिबंधित जानवरों का है या नहीं। फिलहाल मामले में रिपोर्ट दर्ज कर टेंपो नंबर के आधार पर उसके मालिक व इससे जुड़े लोगों का पता लगाया जा रहा है।

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन ने किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ।शिक्षक दिवस के मौके पर आयोजित सम्मान समारोह भव्य और प्रेरणादायक रहा।इस समारोह में प्रमुख विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को सम्मानित किया गया, जिनमे प्रोफेसर विवेक मिश्रा डीन श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन, प्रोफेसर मनोज पांडेय अध्यक्ष लुआकटा , प्रोफेसर एन.के अवस्थी ,प्रोफेसर सरिता चौहान , प्रोफेसर निहारिका वर्मा , प्रोफेसर अर्चना मौर्या ,डॉ. सुशांत गुप्ता , विकास त्रिपाठी , अंजलि सोनी , मिस अनामिका त्रिपाठी, खुर्शीद खान रजा एडिटर इन चीफ न्यूज टाइम्स नेशन , आशीष सिंह सीनियर वी.पी. एचडीएफसी बैंक,राघवेंद्र सिंह वरिष्ठ पत्रकार को सम्मानित किया गया।

समारोह का उद्घाटन माननीय निर्मेश सिंह वाईस चेयरमैन, श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन, डॉ. ज्योति सिंह, निदेशक, श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन, और प्रोफेसर विवेक मिश्रा डीन, श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन द्वारा किया गया। इस आयोजन में शिक्षकों के समर्पण और उनके योगदान की सराहना की गई और उन्हें पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।साथ ही शिक्षकों के सम्मान में विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन छात्रों द्वारा किया गया।

इस समारोह ने हमें हमारे शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना करने और उन्हें उचित मान्यता देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने शिक्षकों के प्रति अपनी कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त किया।

अंत में सभी शिक्षकों को प्रोफेसर विवेक मिश्रा डीन , श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन द्वारा उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया गया और उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। हम सभी का धन्यवाद करते हैं जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया और शिक्षकों को उनके महत्व का अहसास कराया।

जन शिक्षण संस्थान सा.नि. ने आयोजित किया शिक्षक सम्मान समारोह

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज लखनऊ. शिक्षक ही हैं जो हमें अच्छे नागरिक बनाने में मदद व समाज के लिए उपयोगी बनाते हैं रमेश चंद्र त्रिपाठी कौशल विकास एवं उद्यम शीलता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन संचालित जन शिक्षण संस्थान सा नि लखनऊ द्वारा 05 सितम्बर को शिक्षक दिवस के अवसर पर साक्षरता निकेतन परिसर व प्रशिक्षण केंद्र पाण्डेय काम्प्लेक्स मोहनलालगंज में शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि नवजीवन इंटर कॉलेज के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य रमेश चंद्र त्रिपाठी जी का सुंदरम पाण्डेय प्रबंधक जननायक सुजीत पाण्डेय मेमोरियल ट्रस्ट ने स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रमेश चंद्र त्रिपाठी ने कहा कि एक शिक्षक जीवन को दिशा दिखाता है जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है शिक्षक ही हैं जो हमें अच्छे नागरिक बनाने में मदद करते हैं और समाज के लिए उपयोगी बनाते हैं वहीं दूसरी साक्षरता निकेतन परिसर में प्रशिक्षकों का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया संस्थान के प्रभारी निदेशक कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार ने प्रशिक्षकों द्वारा किये गये कार्यों की सराहना करते हुए बताया कि गतवर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रशिक्षकों को कौशल विकास के क्षेत्र में योगदान देने हेतु प्रशस्ति पत्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया सहायक कार्यक्रम अधिकारी शुभम मिश्रा ने कहा कि युवाओं को अपना समय प्रबंधन कर लग्न मेहनत से अपना लक्ष्य प्राप्त करना चाहिए कार्यक्रम में आई पी गुप्ता अजीत यादव सेवानिवृत्त सैनिक शिवम साहू सहित प्रशिक्षक सैकडों प्रशिक्षणार्थी उपस्थिति रहें।

शाइन सिटी संचालकों की मुंबई स्थित और संपत्तियां होंगी जब्त

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को शाइन सिटी संचालकों की जांच में कई और अहम जानकारियां मिली हैं। शाइन सिटी का मुख्य संचालक धोखेबाज राशिद नसीम दुबई में बैठकर अपने एजेंटों की मदद से कुछ बेनामी संपत्तियों को बेचने का प्रयास कर रहा है।एजेंटों के माध्यम से मुंबई व दिल्ली में खरीदी गईं कुछ और कीमती संपत्तियां सामने आई हैं। ईडी संपत्तियों को ब्योरा जुटाकर जल्द उन्हें भी जब्त करने की तैयारी में है। ईडी ने लगभग दो माह पूर्व ऐसी ही कुछ संपत्तियां मुंबई, लखनऊ व सूरत में जब्त की थीं।ईडी को शाइन सिटी के एजेंटों से पूछताछ में पता चला था कि कई संपत्तियां अभी ऐसी हैं, जो सामने नहीं आई हैं।

किशोरी को बहला दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । आशियाना थाना क्षेत्र में मोहल्ले में रहने वाली किशोरी को बहला फुसला कर सुनसान स्थल पर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को आशियाना पुलिस ने गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेज दिया है।आशियाना थाना प्रभारी छत्रपाल सिंह ने बताया कि बीती 31 अगस्त की शाम किशोरी संग दुष्कर्म मामले में पीड़िता की नामजद शिकायत पर दुष्कर्म की धारा में आरोपित अमन उर्फ अनुज सोनकर पुत्र मनोज कुमार निवासी सेक्टर एम1 अंसल आंगन कालोनी थाना आशियाना लखनऊ को पूछताछ के उसके पिता संग बुलाया गया थोपूछताछ के दौरान घटना में शामिल होने की पुष्टि होने पर आरोपित के खिलाफ दर्ज मुकदमे में पाक्सो एक्ट धारा की बढ़ोत्तरी कर गुरुवार को जेल भेज दिया गया है

फौजी व मध्यमवर्गीय परिवारो के आशियानो को बचाने को भाकियू धर्मेन्द्र गुट आया आगे

(भाकियू धर्मेन्द्र गुट के राष्ट्रीय अध्यक्ष जिलाधिकारी को सौपेगे ज्ञापन,कहा अधिग्रहण के नाम पर लोगो के आशियानो को टूटने नही देगे)

अमन लेखनी समाचार

मोहनलालगंज।अवध विहार योजना के अन्तर्गत आने वाली ग्रामसभाओ अहिमामऊ,सरसवां व हरिहरपुर गांवों में फौजी परिवारों और मध्यमवर्गीय परिवारों के बने घरों को अवैध बताकर गिराने समेत किसानो की जमीनो को कब्जे में लेने के लिये अधिग्रहण के नाम पर अवध बिहार योजना के अधिकारियो की मनमामी से नाराज भाकियू धर्मेन्द्र गुट के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह ने ? चेतावनी देते हुये शुक्रवार को जिलाधिकारी से मिलकर ज्ञापन देने की बात कही है।राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह ने कह अवध बिहार योजना के अफसर अधिग्रहण के नाम पर फौजी व मध्यमवर्गीय परिवारो के घरो को गिराने व किसानो की जमीन कब्जा करने के प्रयास में लगे है जो गलत है,जिला प्रशासन अवध बिहार योज?ना के अफसरो की मनमानी को समय रहते नही रोकता है तो क्षेत्रीय किसानो व मध्यमवर्गीय परिवारो के साथ वो बड़ा प्रदर्शन करने के साथ मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेगे।जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी।वो किसी भी हालत में लोगो के सपनो के आशियानो को उजड़ने नही देगे।

एक पेड़ गुरू के नाम

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। एक पेड़ गुरु के नाम वृछारोपण 2024 के तहत जवाहर नवोदय विद्यालय पिपरसंड में साधना शुक्ला प्राचार्य, मीनाक्षी त्रिवेदी उप प्राचार्य, डी सी पंत क्षेत्रीय वन अधिकारी सरोजिनी नगर राजेश , बिजेंद्र, अभिषेक वर्मा प्रीती त्रिपाठी, अभिषेक सिंह, साधना, शालिनी व उनकी टीम के नेतृत्व में मनाया गया

चोरो ने पान की गुमटी का ताला तोड़कर नगदी उड़ाई

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र के हरिवंशखेड़ा निवासी प्रेमचन्द्र ने पुलिस को तहरीर देते हुये बताया वो अपने गांव की मोड़ पर पान की गुमटी चलाकर उससे होने वाली कमाई से अपने परिवार के लिये रोटी का जुगाड़ करते है,बीते बुधवार की देर रात बैखोफ चोरो ने गुमटी का ताला तोड़कर 2600रुपए नगद व सामान चुरा ले गये।गुरुवार की सुबह वो गुमटी खोलने पहुंचा तो ताला टूटा देख उसके होश उड़ गये.जिसके बाद पुलिस को चोरी की सूचना दी.तब जाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।थाना प्रभारी अनुज कुमार तिवारी ने बताया पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात चोरो पर मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

संक्षेप

घरेलू कलह से ऊबकर युवक ने निगला जहरीला पदार्थ

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। घरेलू कलह के चलते युवक ने जहरीला पदार्थ निगल लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औरास ले गये जहां चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार कर हालत सामान्य होने पर उसे घर भेज दिया औरास थाना क्षेत्र के पूरन खेड़ा गांव निवासी नन्हक्के का 17 वार्षिय बेटा दीपक बुधवार को देर रात को घरेलू कलह के चलते घर में रखा जहरीला पदार्थ निगल लिया हालत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औरास लेकर गये जहाँ चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार कर हालत सामान्य ही ने पर घर भेज दिया।

सी एच सी के डाक्टरो ने पुरानी पेंशन बहाली को लेकर हाथ मे काली पट्टी बांध जताया विरोध

अमन लेखनी समाचार

पुरवा उन्नाव प्रदेश स्तर पर विभिन्न कर्मचारी संगठनों द्वारा छह सितंबर तक पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली, यूनिफाइड पेंशन स्कीम के विरोध में पुरवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर डाक्टरों ने काली पट्टी बांध कर विरोध दर्ज कराया।साथ ही डाक्टरों ने सांकेतिक विरोध प्रदर्शन करते हुए कार्य करते रहे।अधीक्षक दिनेश कुमार ने बताया कि छह सितंबर तक हम लोग पुरानी पेंशन बहाली की मांग तथा यूपीएस का काली पट्टी बांध कर विरोध कर रहे है।इसके बाद प्रदेश स्तरीय संगठन जो निर्णय लेगा हम सब उसी हिसाब से कार्य करेंगे।इस दौरान डाक्टर तपन गुप्ता, आदर्श सचान, यूके सिंह, अंबरीश, एहसान अली, ज्ञान प्रकाश, छोटेलाल आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

स्कूल से वापस लौट रही छात्राओं से मनचलों ने की अभद्रता

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत स्कूल से वापस लौट रही छात्राओं से मनचलों द्वारा छेड़छाड़ का मामला सामने आया है जिस पर कोतवाली प्रभारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया है।कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत हसनगंज मुंशीगंज मार्ग पर मौला बांकीपुर के पास स्कूल से वापस लौट रही छात्राओं से कुछ मनचलो द्वारा रास्ते में रोककर छेड़छाड़ व अश्लील हरकत की गई। जिसका विरोध करने पर युवकों ने उन्हें गंदी गंदी गालियां और धमकी देते हुए कहा कि अगर किसी से शिकायत की तो तुम्हारी हालत खराब कर देंगे जो किसी से बताने लायक नहीं रहोगी।सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करते हुए कोतवाली पुलिस ने तत्काल जांच पड़ताल की और घटना में शामिल दो युवकों दिलीप और दशरथ को गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि घटना की गंभीरता से जांच की जा रही है। व दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। वहीं घटना में सम्मिलित किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा।

स्वर्गीय अजीत सिंह की पुण्य तिथि पर पहुंचे डिप्टी सीएम, चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। पूर्व एमएलसी की पुण्य तिथि पर शहर के अरोड़ा रिसार्ट में आयोजित डिप्टी सी एम समेत कई राज्य मंत्री विधायक व जन प्रतिनिधियों ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी आए हुए अतिथियों का जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह व उनके पुत्र शशांक शेखर शनि सिंह ने स्वागत कर उनका आभार प्रकट किया स्वर्गीय अजीत सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी राय रखी। उन्होंने देश की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों पर खुलकर विचार साझा किए और कुछ प्रमुख नेताओं के बयानों का जवाब भी दिया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संघ परिवार की निष्ठा और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि संघ परिवार ने हमेशा देश के विकास और सुरक्षा के लिए काम किया है। उन्होंने तौकीर रजा के हालिया बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा, ₹कुछ लोग अनर्गल बयानबाजी करके मीडिया की सुर्खियों में आने की कोशिश करते हैं। संघ परिवार द्वारा किए जा रहे कार्यों को जनता भली-भांति जानती है। जब भी देश में कोई आपदा आई है, संघ परिवार ने हमेशा जनता के साथ मिलकर काम किया है। कानून व्यवस्था पर डिप्टी सीएम का फोकस ब्रजेश पाठक ने अपने बयान में राज्य सरकार की प्राथमिकताओं पर जोर देते हुए कहा कि लॉ एंड ऑर्डर को बनाए रखना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने किसी भी प्रकार के कानून तोड़ने की इजाजत नहीं देने की बात कही। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के हालिया बयानों पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि सपा के डीएनए में गुंडई और अराजकता है। उन्होंने कहा कि सपा के शासनकाल में अपराधियों को समर्थन मिला है, जिससे जनता की सुरक्षा और महिलाओं की अस्मिता को खतरा हुआ है।उन्होंने आरोप लगाया कि सपा अपराधियों को प्रमोट करती है और उनकी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाएगी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अपराधियों का सफाया करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। ममता बनर्जी के रेप कानून पर ब्रजेश पाठक ने कहा कि उनकी सरकार बेटियों के प्रति हो रहे अपराधों को लेकर अत्यंत गंभीर है। उन्होंने यह दावा किया कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों को सजा दिलाने में सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी है और यह मुद्दा उनकी प्राथमिकताओं में शीर्ष पर है इस मौके पर सफीपुर विधायक बंबालाल दिवाकर मोहन ब्रजेश रावत, पुरवा अनिल कुमार सिंह, बांगरमऊ श्री कांत कटियार, भगवंत नगर आशुतोष शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेता राजकुमार सिंह चौहान, जिला पंचायत सदस्य अशोक सिंह चंदेल, गुड्डू मिश्रा, शिवेंद्र प्रताप उर्फ गोलू सिंह, अवधेश दीक्षित, भूपेंद्र प्रताप सिंह, प्रभात सिंह, कुश सिंह, सतेंद्र सिंह, निशू सिंह, बबलू सिंह, भोला सिंह, सुनील सिंह समेत हजारों की संख्या में लोगो ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

शिक्षक दिवस पर ज्ञानालय का किया गया लोकार्पण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मिनी सचिवालय के प्रांगण में शिक्षक दिवस के अवसर पर ग्राम ज्ञानालय का लोकार्पण ब्लॉक प्रमुख औरास ने फीता काटकर शुभारंभ किया, ब्लॉक प्रमुख व ए.डी.ओ पंचयात ने शिक्षकों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया व छात्रों को डायरी पेन देकर प्रोत्साहित किया

विकासखंड के हसनपुर पश्चिम बाव गांव में मिनी सचिवालय के परिसर में शिक्षक दिवस के अवसर पर ग्राम ज्ञानालय का आयोजन ब्लॉक प्रमुख ज्ञानेंद्र सिंह व सहायक विकास अधिकारी शिवशंकर की मौजूदगी में हुआ ब्लॉक प्रमुख ने फीता काटकर लाइब्रेरी का शुभारंभ किया कार्यक्रम में आए हुए सभी आगंतुकों का माला पहनाकर प्रसन्नचित मन से स्वागत किया गया सर्वपल्ली डॉक्टर राधाकृष्णन के जन्मदिन, शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख समस्त शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया लाइब्रेरी में विद्या अर्जित करने वाले छात्रों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं संप्रेषित की इस लाइब्रेरी में अनेकों प्रकार के विद्या अर्जित करने हेतु पुस्तको को रखा गया है। वही ग्राम प्रधान बाल्मिकि शर्मा ने कहा कि जो पुस्तके लाइब्रेरी में उपलब्ध नहीं है हमें अवगत कराए हम उपलब्ध करायेंगे , कार्यक्रम के समापन के पश्चात ग्राम विकास अधिकारी अनिल शर्मा ने प्रधानमंत्री ग्राम आवास योजना के संबंध में ग्रामीणों के साथ बैठक कर पात्र और अपात्र लाभार्थियों के बारे में जानकारी दी और बताया कि 2018 में जो सर्वे हुआ था उन्हीं को अब तक के आवास दिए गए हैं 2019 से लेकर 2028 तक के सर्वे में जो पात्र होंगे उन्ही लोगों को आवास मिल सकेगा। वही इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्वेता सिंह शिवप्रसाद माता प्रसाद पूर्व प्रधान बी.डी. सी. विसुनपाल पूर्व प्रधान मिश्रीलाल व प्रवीण कुमार मौर्य शिक्षक शिक्षिकाए व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बीआरसी में चार दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण का किया गया शुभारम्भ

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। ब्लॉक संसाधन केंद्र में निपुण भारत निशन के अंतर्गत बुनियादी भाषा और संख्यात्मक ज्ञान हेतु शिक्षकों का चार दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ खण्ड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार वर्मा एवं प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रशिक्षण में उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बीईओ अखिलेश कुमार वर्मा ने कहा कि एफएलएन प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य भाषा और गणित विषय की बुनियादी शिक्षा में प्राथमिक स्कूलों के छात्र-छात्राओं को निपुण बनाना है। जिससे मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान का बेहतर कराना है। जिससे कि 3 वर्ष से 9 वर्ष के सभी बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। इस उम्र के बच्चों में जानने की क्षमता बहुत ज्यादा होती है। बेसिक शिक्षा परिषद के तहत संचालित प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक शिक्षिकाओं को दो कक्षों में 50-50 के बैच में एफएलएन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसमें करीब 100 प्रशिक्षणार्थियों की प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वहीं शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन (शिक्षक दिवस) के अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी अखिलेश कुमार वर्मा द्वारा सेवानिवृत शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। जिसमें बीते शैक्षिक सत्र में सेवानिवृत हुए तीन शिक्षकों में से उपस्थित हुए दो सेवानिवृत शिक्षक गिरीश प्रताप सिंह, दिनेश कुमार को शाल एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की गई।

विद्यालय परिसर में धुमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

अमन लेखनी समाचार

शुक्लागंज, उन्नाव। प्रेमनगर स्थित सनलाईट किड्स स्कूल में आज शिक्षक दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। मौके पर छात्र छात्राओं ने संस्थान को बहुत ही आकर्षक तरीके से सजाया। सर्वप्रथम छात्रों ने संस्थान के डायरेक्टर सर अमित रावत को फूल का गुलदस्ता देकर स्वागत गान गाकर स्वागत किया एवं सभी शिक्षकों के साथ केक काटकर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस मौके पर रावत ने कहा कि गुरु शिष्य का रिश्ता प्राचीनकाल से चला आ रहा है और आज भी यह कायम है। उन्होंने शिक्षक दिवस की महत्ता एवं गुरु शिष्य के रिश्तों का व्याख्यान किया। रावत ने छात्रों के भविष्य को उज्जवल बनाने आगे चल के अपने लक्ष्य को प्राप्त करना ही संस्थान का उद्देश्य है। मौजूद छात्र छात्राओं ने गुरु शिष्य के परंपरा को निभाने और एक अच्छे शिक्षक की तरह छात्रों ने प्रण किया कि वो अपने आस पास रहने वाले अशिक्षित, भटके हुए छात्रों को सही राह दिखाने एवं एक अच्छे इंसान बनने की प्रेरणा देंगे। उन्होंने कहा कि वैसे तो शिक्षक दिवस सभी देशों में अलग अलग तिथि को मनाया जाता है, लेकिन भारत में पांच सितंबर डा सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म के अवसर पर मनाया जाता है। जो एक शिक्षक होते हुए भारत के प्रथम उप राष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति भी थे। भारत में बहुत सारे महान लोग है पर डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिन पर ही क्यों मनाया जाता है, क्योंकि वे बच्चों से बहुत प्यार करते थे। कार्यक्रम में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने अपने विचार व्यक्त किए। विद्यालय प्रबन्धन द्वारा सुधा प्रजापति, प्रियंका गुप्ता, शाजिया बेगम तथा ईशा इसरत को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। छात्र जीशान ने गीत सुनाकर वाहवाही लूटी। वहीं छात्राओं ने भी एक से बढकर एक गीत प्रस्तुत किया। इस मौके पर ओजस्वी मिश्रा, जानवी, विराज सिंह, सला खान, अलसीफा, दृष्टि, वेधिका साहू, विनायक मिश्रा, अंश सिंह, सुबूर, अद्रीका शर्मा, सारांश वर्मा, गौरांश, मोहम्मद जुहैर, फैजान, अनन्या गुप्ता, अविका सिंह, अनंत सिंह रावत आदि छात्र छात्राएं मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका गुप्ता एवं आभार सुधा प्रजापति ने किया।

ज्ञानालय का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक ने फीता काटकर किया

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा को उच्च स्तर व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से ग्रामसभा पर स्थापित ज्ञानालय का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक ने फीता काटकर किया तथा शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रकाश डाला। ग्राम सचिव जंगबहादुर व ग्राम प्रधान रामसेवक के नेतृत्व में आयोजित हुए कार्यक्रम में गांव बेहटा कच्छ पहुंचे विधायक श्रीकांत कटियार ने पंचायत भवन में स्थापित ज्ञानालय का फीता काटकर व सरस्वती पूजन कर लोकार्पण किया इस दौरान विधायक ने शिक्षा के महत्व पर विस्तृत चर्चा की।कार्यक्रम में बी डी ओ दीपशिखा वर्मा ने ज्ञानालय की उपयोगिता बताई साथ ही ग्रामीणों को मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सहायक विकास अधिकारी पंचायत राकेश कुमार, कुलदीप, संजीव यादव आदि सहित कई ब्लाकर्मी व सैकड़ो ग्रामीण मौजूद रहे।

गणेश चतुर्थी की मची हुई है धूम जगह जगह सजाए जा रहे हैं पंडाल

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शनिवार गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश महोत्सव की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं। शुक्लागंज और उसके आसपास के क्षेत्रों में गणेश चतुर्थी की धूम मची हुई है। जगह-जगह पंडाल सजाए जा रहे हैं और मूर्तिकार भगवान गणेश की मूर्तियों को अंतिम रूप देने में व्यस्त हैं। इस साल मूर्तियों और सजावटी वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, जिससे भक्तों को महंगे दाम चुकाने पड़ रहे हैं।गणेश चतुर्थी के मौके पर नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में गणेश बप्पा की मूर्तियों की स्थापना की जाएगी। पंडाल सजाने का काम तेजी से चल रहा है। नेहरू नगर साकेतपुरी में शुक्लागंज के राजा का बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, चंपापुरवा, पोनी रोड, इंद्रा नगर, प्रेम नगर, भातू फार्म, गायत्री नगर, आनंद नगर और ऋषि नगर जैसे मोहल्लों में भी गणेश पंडाल तैयार किए जा रहे हैं।मूर्तिकार सुनील पॉल की दुकान मरहला चौराहे पर स्थित है। उन्होंने बताया कि इस बार प्रतिमाओं की लागत बढ़ गई है। उन्होंने कहा, ₹मिट्टी तो आसानी से मिल जाती है, लेकिन मूर्तियों को रंगने के लिए आवश्यक रंग और कपड़े की लागत बढ़ गई है। जीएसटी के कारण सभी चीजें महंगी हो गई हैं, जिससे मूर्तियां भी महंगी तैयार हो रही हैं।₹शुक्लागंज में घरों और सार्वजनिक स्थानों पर गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के लिए दुकानें सज गई हैं। दुकानदारों ने बताया कि इस वर्ष मूर्तियों के दाम पिछले साल की तुलना में काफी बढ़ गए हैं। कपड़े, रंग और अन्य सजावटी सामग्री की कीमतें बढ़ने के कारण गणेश प्रतिमाओं की कीमतें भी ऊंची हो गई हैं।गणेश चतुर्थी का यह पर्व धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दौरान, भक्त भगवान गणेश की मूर्तियों की पूजा करके उनके आशीर्वाद की कामना करते हैं। पंडालों में धार्मिक आयोजन, भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, जो इस पर्व की उल्लासमयी भावना को और भी बढ़ाते हैं।

घरेलू कार्य करते समय महिला करेंट की चपेट से झुलसी

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। घरेलू कार्य करते समय एक महिला करेंट की चपेट में आकर झुलस गई । जिसे स्थानीय अस्पताल से रेफर कर दिया गया। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव गोशाकुतुब निवासी 50 वर्षीय रामदेवी पत्नी रामस्वरूप घर में कोई विद्युत उपकरण लगा रही थी । तभी वह खुले तारो की चपेट में आकर झुलस गई । जिसे परिजन अस्पताल लेकर आए जहा से डाक्टरों ने रेफर कर दिया।

शिक्षक दिवस पर आर्यावर्त बैंक ने लोटस कान्वेंट स्कूल के शिक्षकों को किया सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। सशक्त समाज व उन्नत राष्ट्र के निर्माण में एक शिक्षक की बडी अहम भूमिका होती है। शिक्षक न केवल विद्यार्थियों का चरित्र निर्माण कर उन्हे योग्य नागरिक बनाते हैं बल्कि समाज को भी नई दिशा देते हैं। यह बाते शिक्षक दिवस के अवसर पर सुमेरपुर आर्यावर्त बैंक के शाखा प्रबंधक शोबराज गुप्ता ने लोटस कान्वेंट स्कूल के शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुये कही। उन्होने कहा कि एक शिक्षक विद्यार्थियों में आशाओं को प्रेरित करने के साथ साथ कल्पनाओं को भी प्रज्वलित करता है। शिक्षक समाज को नई उन्नत व्यवस्थाओं को सुगम तरीके से उपलब्ध कराने वाले योग्य नागरिक देता है। इस अवसर पर आर्यावर्त बैंक के शोबराज गुप्ता, अभिषेक मिश्रा, अविनाश तिवारी, विजय यादव मौजूद रहे। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में अविलेश चौहान, आकांक्षा शुक्ला, अनूप सिंह, सोनल मिश्रा, क्षमा भाटिया, गीता विश्वकर्मा, अंजली तिवारी रहे।

आरटीओ कार्यालय में हुई छापेमारी, मची रही अफरा तफरी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उप संभागीय कार्यालय में लखनऊ के आरटीओ संजय तिवारी ने अचानक छापेमारी की। यह छापेमारी और इसका असर कार्यालय के कर्मचारियों और वहां आने वाले लोगों पर तुरंत दिखा। छापेमारी के दौरान कार्यालय में अफरा-तफरी मच गई और कई बाहरी युवक मौके से भाग खड़े हुए।आरटीओ संजय तिवारी ने कार्यालय के विभिन्न विभागों का बारीकी से निरीक्षण किया। इसमें ड्राइविंग लाइसेंस और टैक्स काउंटर शामिल थे। उनके निरीक्षण के दौरान कार्यालय में कई खामियों का पता चला। कार्यालय में मौजूद लोगों ने इस बात की शिकायत की कि बिना दलालों के कोई भी कार्य संपन्न नहीं हो पा रहा है। इसके साथ ही, कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और इसकी व्यवस्था में सुधार की मांग की।इस छापेमारी के दौरान आरटीओ ने एआरटीओ श्वेता वर्मा को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे सभी खामियों को दूर करें और सुनिश्चित करें कि भविष्य में ऐसी समस्याएं उत्पन्न न हों। आरटीओ ने कार्यालय में बाहरी व्यक्तियों की मौजूदगी को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि बिना उचित दस्तावेज और स्वीकृति के बाहरी लोगों का कार्यालय में होना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इस पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी।आरटीओ संजय तिवारी ने छापेमारी के बाद एक बंद कमरे में आरटीओ प्रशासन आरटीओ प्रवर्तन और अन्य स्टाफ के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कार्यालय की कार्यप्रणाली में आई खामियों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की और सुधार के लिए सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान जो भी खामियां मिली हैं, उन्हें जल्द से जल्द दूर किया जाए ताकि आम जनमानस को किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। आरटीओ संजय तिवारी ने स्पष्ट किया कि उनकी छापेमारी और निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यालय की कार्यप्रणाली में सुधार करना और नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है।

क्षेत्रीय नागरिकों ने विद्यालय में आकर मनाया शिक्षक दिवस

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। उच्च प्राथमिक विद्यालय मलयपुर कम्पोजिट में एक सुखद दृश्य देखने को मिला। क्षेत्र के संभ्रांत निवासी राजेश प्रताप सिंह (धुन्ना सिंह), आशू बाजपेई, अंकित पाण्डेय, बबलू सिंह, मोहित सिंह, शैलेन्द्र पाल, मोहित सिंह, अरविन्द सिंह, सियावती, राजकुमार सिंह, अनिकेत, अंकुश, धीरेन्द्र, मनोज, रामसुमेर, सूरज, शैलेन्द्र, राजन सहित अन्य अपनी व्यवस्था से केक, मिठाई, फूल माला, आदि लेकर मलयपुर विद्यालय पंहुचे। मलयपुर विद्यालय के शिक्षकों के साथ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के चित्र का माल्यार्पण किया। मलयपुर विद्यालय के शिक्षकों से केक काटने का अनुरोध किया। सभी आगन्तुकों एवं बच्चों की उपस्थिति में शिक्षक अजीत कुमार सिंह, आशीष कुमार दीक्षित, मुकेश सचान, आरती यादव, गोपाल यादव एवं विनय शंकर ने मिलकर केक काटा। बच्चों की खुशी एवं उत्साह देखते ही बना। आगन्तुकों ने शिक्षकों के कार्यों की प्रशंसा की। बच्चों को केक एवं मिष्ठान वितरण किया गया। सहायक शिक्षक आशीष कुमार दीक्षित ने इस आयोजन को अद्भुत एवं अविस्मरणीय बताते हुए अतिथियों एवं उनकी सद्भावनाओं के प्रति आभार जताया।

77 आपत्तियों में 65 का मौके पर किया गया समाधान

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिला बेसिक शिक्षा परिषद की शिक्षक समायोजन प्रक्रिया के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) प्रेम प्रकाश मीणा की अध्यक्षता में शिक्षकों की आपत्तियों पर त्वरित कार्रवाई की गई।बैठक में 77 आपत्तियों में से 65 का तुरंत समाधान कर दिया गया, जबकि 10 आपत्तियों के लिए एडीओ और बीईओ को छात्र नामांकन के सत्यापन के लिए नियुक्त किया गया। दो आपत्तियों के समाधान के लिए चिकित्सा आख्या की आवश्यकता पड़ी है।विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में सीडीओ मीणा ने खुद सक्रिय भूमिका निभाते हुए शिक्षकों की आपत्तियों को सुना और त्वरित समाधान प्रदान किया। बीएसए संगीता सिंह और संबंधित लिपिक भी इस बैठक में उपस्थित रहे और आपत्तियों के निस्तारण में सहयोग किया। बैठक के दौरान कुछ शिक्षकों ने शिकायत की कि उनके स्कूलों में छात्र-शिक्षक अनुपात मानक से कम है, जिससे उनका समायोजन नहीं किया जा सकता। इस पर सीडीओ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि संबंधित ब्लॉक के सहायक पंचायत अधिकारियों को इस मामले की जांच करने के लिए कहा जाएगा। एडीओ पंचायत को निर्देशित किया गया कि वे इन स्कूलों में जाकर छात्र-शिक्षक अनुपात की वास्तविकता का पता लगाएं और उसके आधार पर आपत्तियों का समाधान किया जाएगा।सीडीओ मीणा ने इस दौरान कहा कि समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा और किसी भी प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों को फटकार लगाते हुए भविष्य में सतर्क रहने और अपनी जिम्मेदारियों को सही तरीके से निभाने की सलाह दी। इसके अलावा, दो आपत्तियां मेडिकल से संबंधित थीं, जिनके समाधान के लिए चिकित्सा रिपोर्ट का इंतजार किया जाएगा। इस बैठक में लिपिक रामबाबू और बेसिक शिक्षा विभाग के अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

सात नए फैसलों से कृषि में होगा बुनियादी सुधार

उपलब्धि

डॉ. मनसुख मांडविया

एक तरफ देश में विपक्ष की ओर से किसानों के मुद्दों पर राजनीति हो रही है, दूसरी तरफ केंद्र सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के मकसद से कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए लगभग 14,000 करोड़ रुपये के खर्च वाले सात बड़े कार्यक्रमों को मंजूरी दी है। अभी हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव का मौसम है, आगे महाराष्ट्र, झारखंड, दिल्ली और बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। राजनीतिक हल्कों में माना जा रहा है कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए किसान आंदोलन के बाद से हरियाणा, पंजाब, वेस्ट यूपी आदि क्षेत्रों के किसानों का एक वर्ग सरकार से नाराज है, इसका असर लोकसभा चुनाव के दौरान देखने को मिला तब हरियाणा में भाजपा सभी दस सीटों पर जीत नहीं दोहरा सकी, पांच पर ही संतोष करना पड़ा। तीनों कृषि कानूनों की वापसी व एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) कानून बनाने के आश्वासन पर किसानों ने आंदोलन समाप्त किया था। हालांकि सरकार ने अभी तक एमएसपी कानून नहीं बनाया है, इस कारण कुछेक किसान नाराज बताए जाते हैं। ऐसे में सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र से संबंधित सात बड़े कार्यक्रमों का ऐलान करना, खेती-किसानी के क्षेत्र को और मजबूत करेगा। पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार अपने शुरूआती कार्यकाल से ही किसानों की भलाई व कृषि क्षेत्र की कायापलट पर फोकस करती रही है। डिजिटल कृषि मिशन और फसल विज्ञान योजना नए तरह के कार्यक्रम हैं। सभी सात कार्यक्रमों का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा, जलवायु बदलाव से तालमेल बैठाने, प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन और डिजिटलीकरण के साथ बागवानी और पशुधन क्षेत्रों के विकास पर होगा। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के कृषि पर हो रहे प्रभाव से निपटने की तैयारी जरूरी है, सरकार ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना शुरू किया है, पर फसल विज्ञान योजना से जलवायु अनुकूल कृषि को बढ़ावा मिलेगा। देश में बेशक गेहूं व चावल के बफर स्टॉक हैं, लेकिन दलहन व तिलहन उत्पादन में भी आत्मनिर्भर बनना जरूरी है। कृषि क्षेत्र के नए कार्यक्रम में डिजिटल बुनियादी अवसंरचना, एआई, बिग डेटा, रिमोट जैसी नवीनतम प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जाएगा। प्राकृतिक खेती पर भी फोकस बढ़ेगा। हालांकि कृषि क्षेत्र व किसानों की मौजूदा हालत सुखद नहीं है। बीज बुवाई से लेकर फसल विपणन तक पग-पग पर चुनौतियां हैं। विभिन्न राज्यों में पैदावार में अंतर है। हरित क्रांति का लाभ समूचे देश में समान रूप से नहीं हुआ। कृषि बुनियादी ढांचे के समुचित विकास का अभाव है, विभिन्न कृषि क्षेत्रों में सिंचाई, सड़क, बिजली, भंडारण, शीतगृह, विपणन केंद्र, मंडियां जैसी आम जरूरतों की पूर्ति में भारी असमानता है। जोत छोटी होती गई है, भूमि की उत्पादकता घटती गई है व कृषि लागत बढ़ती गई है, कृषि क्षेत्र में अकुशल मानव संसाधन की समस्या है। फसलों की कीमतों में घोर अनियमितता है। खेत से खलिहान, बाजार होते हुए उपभोक्ता तक आपूर्ति प्रणाली में अनेक लूपहोल्स हैं। एमएसपी की सीमाएं हैं, अनेक राज्यों में है ही नहीं। भारत का कृषि-खाद्य क्षेत्र एक ऐसे मोड़ पर है, जहां से इसे आगे ले जाना होगा। अभी तक भूमि सुधार, बाजार सुधार, तकनीकी सुधार, संस्थागत सुधार हुए हैं, पर कृषि क्षेत्र में निरंतर सुधार आवश्यक है। नए फैसलों से भारतीय कृषि और उन्नत बन सकेगी।

ओलंपिक चैंपियन देगा खेलो इंडिया

पेरिस ओलंपिक 2024 में टीम इंडिया की उपलब्धियां भारतीय दल के समग्र बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती हैं। 6 पदकों के अलावा, हमारे 8 एथलीट चौथे स्थान पर रहे और वे पोडियम फिनिश से बस थोड़े से अंतर से चूक गए। उनमें से पांच का यह पहला ओलंपिक प्रदर्शन रहा। 15 एथलीट अपनी प्रतिस्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे और यह भारत के लिए भी पहली बार ही हुआ। पेरिस ओलंपिक में एक नए और उत्साही भारत का चेहरा दिखा। 117 सदस्यीय भारतीय दल में 28 खेलो इंडिया एथलीट (केआईए) शामिल थे। भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत और पिस्टल शूटर पदक विजेता सरबजोत सिंह सहित 2700 से अधिक एथलीट खेलो इंडिया कार्यक्रम का हिस्सा रहे हैं। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 में कई पदक जीते हैं और वह 2018 में खेलो इंडिया स्कूल गेम्स के पहले संस्करण का भी हिस्सा थीं। हाल के वर्षों में, भारत ने अपनी खेल प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण प्रगति की है और इसका श्रेय काफी हद तक महत्वाकांक्षी खेलो इंडिया कार्यक्रम को जाता है। 2018 में शुरू की गई यह पहल भारतीय खेलों के लिए परिवर्तनकारी साबित हुई।

संभवतः खेलो इंडिया का सबसे महत्वपूर्ण असर यह हुआ है कि भारत की ओलंपिक आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए यह एक फीडर सिस्टम के तौर पर नजर आया है। कम उम्र में ही प्रतिभाओं की पहचान करके और उन्हें लगातार सहायता प्रदान करके, कार्यक्रम ऐसे एथलीटों की एक श्रृंखला तैयार कर रहा है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं। इसके परिणाम पहले से ही दिखने लगे हैं, कई खेलो इंडिया एथलीट ओलंपिक सहित प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का समग्र दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि भारत के भावी ओलंपियन पूरी तरह तैयार ऐसे एथलीट हों जो खेलों के दबाव को सहने और बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हों।

इस कार्यक्रम में न केवल एथलीटों को प्रशिक्षण दिया जाता है, बल्कि प्रत्येक एथलीट को 6.28 लाख रुपये की वार्षिक छात्रवृत्ति के साथ आहार, पोषण, उपकरण और शिक्षा के लिए वित्त पोषण भी दिया जाता है। वास्तव में, हमारे पास पेरिस पैरालिंपिक के 84 पैरा-एथलीटों के दल में से 25 खेलो इंडिया एथलीट भी हैं। खेलो इंडिया गेम्स ने इस योजना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2018 से अब तक कुल 15 खेलो इंडिया गेम्स आयोजित किए गए हैं जिसमें 6 खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 4 खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 4 खेलो इंडिया विंटर गेम्स और 1 खेलो इंडिया पैरा गेम्स शामिल हैं। इन खेलों से, हमने अभी तक 1000 से अधिक प्रतिभाशाली एथलीटों की पहचान की है।

इसके अलावा, हम जमीनी स्तर के एथलीटों को भविष्य के चैंपियन बनाने के लिए हर संभव बुनियादी ढांचा तैयार कर रहे हैं। इसके लिए कुल 302 मान्यता प्राप्त अकादमियां, 1000 से अधिक खेलो इंडिया केंद्र, 32 खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं। इस कार्यक्रम की शुरूआत से ही, सरकार ने इसमें लगभग 3,616 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जो खेलों के विकास के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दिखाता है। 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 747 जिलों में 1059 खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) अधिसूचित किए गए हैं। ये केंद्र स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें विकास का मौका देने का काम करते हैं। यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि कोई भी संभावित चैंपियन पीछे छूट न जाए, चाहे उनकी भौगोलिक स्थिति या आर्थिक पृष्ठभूमि कुछ भी हो। इन केंद्रों के जरिये अवकाश ले चुके चैंपियन एथलीटों को आजीविका का एक स्थायी स्रोत भी मुहैया कराया जाता है।

इसके अलावा, कार्यक्रम के अंतर्गत 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 32 खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) स्थापित किए हैं। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इन केंद्रों में विशिष्ट खेलों में विशेष प्रशिक्षण भी दिया जाता है, ताकि एथलीटों को विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा और कोचिंग मिल सके और वे अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन कर सकें। इन उत्कृष्टता केंद्रों में विशिष्ट खेलों के अभ्यास के दौरान खेल विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहायता भी प्रदान की जाती है। यह केंद्र खेल उपकरण, उच्च प्रदर्शन प्रबंधकों, प्रशिक्षकों आदि के मामले में कमी को भी पूरा करता है।

खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन (केआईआरआईटी) कार्यक्रम जमीनी स्तर पर छिपी प्रतिभाओं को सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। केआईआरआईटी का उद्देश्य पूरे भारत में छिपी हुई खेल प्रतिभाओं की तलाश करना और लोगों में खेलों के प्रति

जागरूकता को बढ़ावा देना है। यह कार्यक्रम 9 से 18 वर्ष के बीच के स्कूली बच्चों में प्रतिभा की खोज करता है। यह कार्य आधुनिक तकनीक और सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों का उपयोग करते हुए एक सहज प्रतिभा पहचान प्रणाली के जरिए किया जाता है। इसका उद्देश्य एक ही मंच पर इन प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान की पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित बनाना है।

अब तक देश भर में 93 स्थानों पर 10 खेलों में लगभग 1 लाख बच्चों का मूल्यांकन सफलतापूर्वक किया जा चुका है। खेलों में महिलाओं की भागीदारी को विशेष तौर पर प्रोत्साहित करने के लिए, पूरे देश में अस्मिता महिला लीग आयोजित की जा रही हैं। 2021 से अभी तक अस्मिता के चार सत्र आयोजित किए गए हैं, जिसमें 35 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 20 खेलों में कुल 83615 महिलाओं ने भागीदारी की है। इन लीग में भागीदारी करने वाली महिलाएं चैंपियन बनने की तलुना में कहीं अधिक उपलब्धि हासिल करती हैं। अस्मिता के ये सत्र महिला एथलीटों के लिए न सिर्फ एक सहायक वातावरण बनाते हैं, बल्कि खेलों के प्रति रुचि को बढ़ावा देते हैं और संभावित करियर का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

खेलो इंडिया ने इस संबंध में जो नींव रखी है, उससे भविष्य को लेकर काफी आशाएं बंधी हैं। जैसे-जैसे ये युवा एथलीट परिपक्व होते हैं और ऊंचे मुकाम हासिल करते हैं, हमें उम्मीद बंधती है कि खेलो इंडिया के कई और एथलीट ओलंपिक में अपना परचम लहराएंगे और समूचे विश्व में भारत का नाम ऊंचा करेंगे। यह कार्यक्रम, युवा एथलीटों के लिए शुरुआती स्तर की भागीदारी से लेकर शीर्ष प्रदर्शन करने तक का एक सुव्यवस्थित मार्ग तैयार कर भारत के खेल भविष्य के लिए उपलब्धि साबित हुआ है। यह भविष्य के ओलंपिक चैंपियन तैयार कर रहा है।

पेरिस ओलंपिक 2024 में टीम इंडिया की उपलब्धियां भारतीय दल के समग्र बेहतर प्रदर्शन को दर्शाती हैं। 6 पदकों के अलावा, हमारे 8 एथलीट चौथे स्थान पर रहे। उनमें से पांच का यह पहला ओलंपिक प्रदर्शन रहा। खेलो इंडिया ने इस संबंध में जो नींव रखी है, उससे काफी आशाएं बंधी हैं। जैसे-जैसे ये एथलीट परिपक्व होते हैं और ऊंचे मुकाम हासिल करते हैं, हमें उम्मीद बंधती है कि खेलो इंडिया के कई और एथलीट ओलंपिक में परचम लहराएंगे। यह कार्यक्रम, युवा एथलीटों के लिए शुरुआती स्तर की भागीदारी से लेकर शीर्ष प्रदर्शन करने तक का एक सुव्यवस्थित मार्ग तैयार कर भारत के खेल भविष्य के लिए उपलब्धि साबित हुआ है। यह भविष्य के ओलंपिक चैंपियन तैयार कर रहा है।

सारा संसार

एकम्बरेश्वर मंदिर तमिलनाडु के कांचीपुरम में भगवान शिव को समर्पित बहुत प्रसिद्ध और लोकप्रिय मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण पल्लव वंश के शासकों द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर प्रथ्वी लिंगम की पूजा के लिए जाना जाता है। लोग इस मंदिर में आने के बाद 108 दिए जलाते हैं।

परामर्श

डॉ. आर. पी. पाराशर

भादों में चिरायता का सेवन बचाएगा डेंगू जैसे रोगों से

आयुर्वेद मतानुसार भादों मास में चिरायता का सेवन करना चाहिए। चिरायता में एंटीवायरल गुण होते हैं और यदि महीना भर चिरायता का सेवन किया जाए तो डेंगू व अन्य वायरस रक्त में पहुंचने के बावजूद शरीर में संक्रमण उत्पन्न नहीं कर पाते हैं। इसके अलावा वर्षा ऋतु में पित्त दोष का संचय होता है और शरद ऋतु (वर्षा ऋतु के बाद के दो महीने) में पित्त दोष का प्रकोप शुरू हो जाता है। चिरायता विरेचन (दस्त लगने) का कार्य बहुत अच्छी तरह से करता है और पित्त दोष से शरीर की शुद्धि विरेचन द्वारा ही की जाती है, इसलिए भादों मास में चिरायता के सेवन से शरीर में पित्तजन्य विकार भी नहीं होंगे। इसके अलावा चिरायता सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है, कब्ज से राहत मिलती है, लिवर को डिटॉक्सिफाई करने में मदद मिलती है। चिरायता में मौजूद गुण पीलिया, खांसी, जुकाम, बुखार, जैसी समस्याओं को भी दूर रखते हैं। चिरायता से इम्यूनिटी भी बढ़ती है। लगातार बारिश होने से डेंगू संक्रमण के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। इसके अलावा दोहरे संक्रमण के रोगी भी खूब आ रहे हैं जिनमें जांच के बाद डेंगू के साथ कोई अन्य वायरल (जैसे हैपेटाइटिस) या बैक्टीरिया (टायफाइड) संक्रमण भी मिल रहा है। ऐसे मरीजों के इलाज में आयुर्वेदिक दवाएं कारगर हैं, जिनका कोई साइड इफेक्ट भी नहीं है। बुखार के सभी रोगी पहले दिन से ही संजीवनी वटी, आरोग्यवर्धिनी वटी, महासुदर्शन चूर्ण, कालमेघ, भुंई आंवला, पपीते के पत्तों का रस, गिलोय का काढ़ा और हारसिंगार के पत्तों के काढ़े का प्रयोग करें, ताकि डेंगू व अन्य कोई भी संक्रमण गंभीर स्थिति में न पहुंचे। बुखार आने पर पहले दिन से ही इन दवाओं का प्रयोग करने से डेंगू के मरीजों में न तो प्लेटलेट्स की संख्या ज्यादा घटेगी और न ही शरीर में ब्लीडिंग होगी। ये दवाएं हर तरह के बुखार में लाभकारी हैं और अगर डेंगू के साथ कोई अन्य बैक्टीरियल या वायरल संक्रमण भी हो तो इन दवाओं के प्रयोग से संक्रमण काबू आ जाएगा। बुखार डेंगू के बजाय किसी और संक्रमण के कारण हो तो उसमें भी ये दवाएं फायदा ही करेंगी। संजीवनी वटी, आरोग्यवर्धिनी वटी, कुटकी, महासुदर्शन चूर्ण, पपीते के पत्तों का रस, भुंई आंवला, गिलोय, कालमेघ आदि दवाएं टेबलेट, कैप्सूल और सिरप के रूप में बाजार में उपलब्ध हैं, जबकि हरसिंगार के पत्तों का काढ़ा घर पर आसानी से बनाया जा सकता है। काढ़ा बनाने के लिए हारसिंगार के 20 से 25 पत्ते आधा लीटर पानी में उबालें और पानी आधा रह जाने पर छानकर रख लें। यह काढ़ा बीस मिलीलीटर (चार चम्मच) की मात्रा में हर 2 घंटे के बाद रोगी को पिलाएं। काढ़े में हारसिंगार के पत्तों के साथ काली मिर्च, तुलसी और गिलोय को भी मिला सकते हैं। ये दवाएं संक्रमण को खत्म करने के साथ-साथ शरीर की इम्यनिटी को भी बढाती हैं।

दर्शन

योग जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है

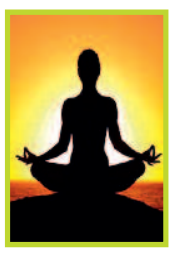

संकलित

योग प्रकृति की स्वतः स्फूर्त प्रक्रिया है। योग के ही चलते मां के गर्भ में आना और जीवन धारण करना संभव होता है। उसके बाद जन्म लेते ही सांसारिक-योग आरंभ होता है। घर-परिवार और समाज के साथ योग जीवन का मार्ग प्रशस्त करता है तथा जीवन के समापन पर फिर प्रकृति के साथ तादात्म्य बनाकर विलीन होना भी योग है। ऋषियों ने प्रकृति की गूंज सुनकर उसमें त्रिस्तरीय योग का जो स्वरूप देखा उसमें 'ऊं' शब्द दिखाई पड़ा। इस 'ऊं' में 'अ', 'उ' और 'म' का योग है। गर्भ में अस्तित्व में आना 'अ', जन्म के बाद उत्थान 'उ' तथा मृत्यु 'म' का संयुक्त होना भी योग है। ऋषियों ने अंतिम अक्षर 'म' को हलंत कर आधा इसलिए कर दिया, क्योंकि मनुष्य की मृत्यु पूरी नहीं होती। पंच भौतिक शरीर प्राकृतिक पदार्थों के साथ योग कर पुनः अनंत में विलीन हो जाता है, जबकि आत्मा जीवंत रहता है और पुनः नए शरीर के साथ योगभाव में आता है। प्राकृतिक योग को भी देखा जाए तो क्षिति तत्व धरती के साथ योगनिष्ठ होकर धरती में मिल जाता है, अग्नि आकाश की ओर अपने देही सूर्य के साथ योग करने को ऊपर की ओर उठती है तो जल, जल के साथ, वायु, वायु के साथ तथा गगन तत्व शून्य के साथ योग-भाव में हो जाता है। इस तरह देखा जाए तो कदम-कदम पर योग का प्रकट भाव दिखाई पड़ता है। मानव शरीर के अंदर और बाहर जो योग हो रहा है, उसे नियमित जीवन में अपनाकर कोई भी व्यक्ति उर्ध्वमुखी जीवन प्राप्त कर सकता है।

प्रेरणा

गरीब विद्वान व राजा भोज, बने भाई-भाई

संकलित

कई वर्ष पहले धार में राजा भोज का शासन था। उस राज्य में एक गरीब विद्वान रहता था। आर्थिक तंगी से घबराकर एक दिन विद्वान की पत्नी ने उससे कहा-आप राजा भोज के पास क्यों नहीं जाते? वह विद्वानों का बड़ा आदर करते हैं। हो सकता है आपकी विद्वता से प्रभावित होकर वह आपको ढेर सारा धन दे दें। विद्वान राजा के दरबार में पहुंचा। पहरेदार ने पूछाः आप कौन हैं? कहां जाना है? विद्वान ने कहाः जाओ राजा से कहो कि उनका भाई आया है। पहरेदार ने जब भोज को यह बात बताई तो.. वह सोचने लगेः मेरा तो कोई भाई है नहीं है फिर कौन हो सकता है। कहीं कोई धूर्त तो नहीं। उनकी उत्सुकता जागी। उन्होंने विद्वान को बुलवा लिया। 'कैसे हुए भाई-भाई' भोज ने विद्वान से पूछाः क्या तुम मेरे भाई हो? किस नाते से? विद्वान ने कहाः मैं आपका मौसेरा भाई हूं। आपकी मौसी का लड़का। भोज ने पूछाः कैसे? मेरी तो कोई मौसी नहीं है। विद्वान बोलाः महाराज। आप संपत्ति माता के पुत्र हैं और मैं विपत्ति माता का पुत्र। संपत्ति और विपत्ति बहनें हैं। इस नाते मैं आपका मौसेरा भाई हुआ न। यह सुनकर भोज बेहद प्रसन्न हुए। उन्होंने ढेर सारी स्वर्ण मुद्राएं विद्वान को दीं। फिर भोज ने पूछाः मेरी मौसी तो कुशल हैं न? इस पर विद्वान ने जवाब दियाः राजन्, जब तक आपकी मौसी जीवित थीं, आपके दर्शन नहीं हुए थे। अब आपके दर्शन हुए तो आपकी मौसी स्वर्ग सिधार गईं। इस उत्तर से भोज को और भी प्रसन्नता हुई। उन्होंने विद्वान को गले से लगा लिया।

अंतर्मन

आज की पाती

सत्य और असत्य की पहचान

जब हम कोई गलत काम करते हैं या गलत का साथ देते हैं, तो उसका प्रभाव हम पर भी पड़ता है। एक बार श्री कृष्ण जी से कर्ण ने पूछा, मेरी मां ने जन्म देते ही मुझे त्याग दिया, द्रोणाचार्य ने मुझे शिक्षा नहीं दी, परशुराम जी ने भी मुझे श्राप दिया कि मैं अपनी विद्या भूल जाऊं। द्रौपदी के स्वयंवर में मुझे अपमानित किया गया। ऐसा होने पर अगर मैं दुर्योधन का साथ दे रहा हूं, तो इसमें गलत क्या है? कर्ण के सवालों का जवाब देते हुए, श्री कृष्णजी बोले सबके जीवन में कठिनाइयां होती है, लेकिन सत्य और असत्य की पहचान हमें विवेक से करनी चाहिए, बेशक हमारे साथ अन्याय ही क्यों न हुआ हो। हमें कभी भी गलत का साथ नहीं देना चाहिए, दुर्योधन अधर्म के रास्ते पर था, तुम्हें उसका साथ नहीं देना चाहिए था। - *संजय पाठक, बिलासपुर*

ट्रेंड

सात योजनाओं को मंजूरी

पीएम नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट में किसानों के जीवन और आजीविका में सुधार के लिए 13,966 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ सात प्रमुख योजनाओं को मंजूरी दी है। डिजिटल कृषि मिशन, खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए फसल विज्ञान: कृषि शिक्षा व अन्य अहम योजनाएं शामिल हैं।

-धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री

कांग्रेस नेताओं से आग्रह

मेरी संवेदनाएं तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के लोगों के साथ हैं क्योंकि वे विनाशकारी बाढ़ का सामना कर रहे हैं। मैं कांग्रेस नेताओं से आग्रह करता हूं कि वे राहत और बचाव प्रयासों का समर्थन करने के लिए सभी उपलब्ध संसाधन जुटाएं।

-राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

विरासत खंडित कर रही

काशी के प्रतीक चिह्नों को विकास के नाम पर तोड़कर भाजपा सरकार क्या वाराणसी की विरासत को ही खंडित कर देना चाहती है। अब रोहनिया में 55 साल पहले 1968 में बने गांधी चबूतरा व भारत माता मंदिर को चौड़ीकरण के नाम पर तोड़ दिया गया।

-अखिलेश यादव, सपा प्रमुख

पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा

शीतलदेवी, आप देश और पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा की किरण हैं। लगभग एक साल पहले, आपकी अदम्य भावना को सलाम करते हुए, मैंने आपसे हमारी सीमा से किसी भी कार को स्वीकार करने का अनुरोध किया था।

-आनंद महिंद्रा, उद्योगपति

करंट अफेयर

गाजा के बाद लेबनान में भी घर छोड़कर भाग रहे लोग

बीते 11 महीनों से गाजा में इजरायली हमले जारी हैं। अब तक 90 फीसदी गाजा की आबादी अपने घरों को छोड़कर पलायन कर चुकी है। इस बीच इजरायल के खौफ से लेबनान में भी पलायन जैसे हालात हैं। खासतौर पर इजरायल की सीमा से लगते उन इलाकों से लोग पलायन कर रहे हैं, जहां शिया मुस्लिमों की अधिक आबादी है। इसकी वजह यह है कि आतंकी संगठन हिजबुल्लाह यहीं से सक्रिय है और वह इजरायल पर कई बार मिसाइलों से हमले कर चुका है। अब इन हमलों का इजरायल की ओर से जवाब दिया जा रहा है। यही नहीं आने वाले दिनों में यह कार्रवाई और तेज हो सकती है। इस बीच बड़े पैमाने पर बेरूत के दक्षिणी इलाकों से लोग पलायन कर रहे हैं।

ऑफ बीट

बच्चों में खाद्य एलर्जी एक दशक में दोगुनी हो गई

ब्रिटेन में खाद्य एलर्जी के शिकार लोगों की संख्या वर्ष 2008 से 2018 के बीच दोगुना से भी ज्यादा हो गई है। इंपीरियल कॉलेज लंदन के एक नये अध्ययन से यह बात सामने आई है। शोधकर्ताओं ने पाया कि प्री-स्कूल बच्चों में खाद्य एलर्जी दर सबसे अधिक है और उनमें से चार फीसदी 'संभावित रूप से' इससे जूझ रहे हैं। उन्होंने यह भी पाया कि 'एनाफिलेक्सिस' (एक जानलेवा एलर्जी प्रतिक्रिया) के जोखिम वाले एक-तिहाई लोग शरीर में एड्रेनलिन पहुंचाने वाली 'ऑटोइंजेक्टर पेन', जैसे कि 'एपिपेन' का इस्तेमाल नहीं करते।

संक्षेप

सैदनगली कोतवाल को एसपी ने किया लाइन हाजिर

अमन लेखनी समाचार

अमरोहा, अमरोहा में अपराध नियंत्रण में विफलता के चलते एसपी ने सैदनगली कोतवाल अशोक कुमार वर्मा को लाइन हाजिर कर दिया है। उनकी जगह एसपी ने रहरा थानाध्यक्ष दरोगा रमेश सेहरावत को सैदनगली की कमान सौंप दी है। इस बदलाव के साथ ही एसपी ने अन्य दो थाना प्रभारियों के भी स्थानांतरण किए हैं, जिससे पुलिस विभाग में हलचल मच गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एसपी की यह कार्रवाई तब हुई जब सैदनगली थाना क्षेत्र में हाल ही में एक गंभीर अपराध घटित हुआ। दो दिन पहले अमरक के बाग संभल के थाना नखाशा के रहने वाले एक अधेड़ व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। इससे पूर्व भी कई आपराधिक घटनाएं इस क्षेत्र में हो चुकी हैं। लगातार लापरवाही के आरोपों के चलते सैदनगली कोतवाल को यह कार्रवाई झेलनी पड़ी है। एसपी ने सैदनगली के प्रभारी के रूप में रहरा थानाध्यक्ष दरोगा रमेश सेहरावत को नियुक्त किया है। इसके साथ ही बछरायूं थानाध्यक्ष अलका चौधरी को रहरा का प्रभारी बनाया गया है, जबकि एसपी पीआरओ रहे दरोगा विकास कुमार को बछरायूं थाने का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सभी स्थानांतरण संबंधी आदेशों को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

हसनपुर में एंबुलेंस-कार की टक्कर में दो की मौत

अमन लेखनी समाचार

हसनपुर, अमरोहा के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र में एंबुलेंस और कार की आमने-सामने की टक्कर में युवक और मरीज की मौत हो गई। यह हादसा सोमवार की देर रात हुआ। जब गजरौला थाना क्षेत्र के गांव कांकाठेर निवासी गुड्डू खड़गवंशी (28) एंबुलेंस से एक मरीज को लेकर मेरठ जा रहे थे। इसी दौरान हादसा हुआ। गुड्डू खड़गवंशी लुहारी खादर गांव के निवासी थे। गजरौला थाना क्षेत्र के गांव कांकाठेर में अपना क्लिनिक चलाते थे। रात वे कांकाठेर निवासी मरीज जहांगीर की रीढ़ की हड्डी के ऑपरेशन के लिए एंबुलेंस से मेरठ जा रहे थे। एंबुलेंस में मरीज जहांगीर के साथ उसका पड़ोसी गुरु दयाल भी सवार था। जैसे ही एंबुलेंस गढ़मुक्तेश्वर पहुंची। सामने से आ रही एक आर्टिका कार ने एंबुलेंस को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गुड्डू और मरीज जहांगीर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गुरु दयाल गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक गुड्डू खड़गवंशी अपने के पत्नी, एक बेटी एक बेटे हैं। वह तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। हसनपुर कोतवाली पुलिस ने दुर्घटना के बारे में सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

ज्वेलर्स की दुकान लूटने वालों का एनकाउंटर

3 बदमाशों के पैर में मारी गोली, सुल्तानपुर में 4 मिनट में डेढ़ करोड़ की लूट की थी

अमन लेखनी समाचार

सुलतानपुर, सुल्तानपुर में पुलिस ने आभूषण कारोबारी से डेढ़ करोड़ लूट के 3 आरोपियों को एनकाउंटर के बाद पकड़ा। तीनों बदमाशों के पैर में गोली मारी। उनकी पहचान सचिन सिंह, पुष्पेंद्र और त्रिभुवन के रूप में हुई है। तीनों अमेठी के रहने वाले हैं। बदमाशों की गोली से एसओजी के सिपाही शैलेश राजभर भी घायल हुए हैं। एनकाउंटर रात 3.30 बजे कोतवाली नगर के घुड़वा चौकी इमलिया के पास हुआ। राजकीय मेडिकल कॉलेज में सभी का इलाज चल रहा है। पुलिस ने घायलों से कुछ जेवरात, नगदी और असलहे बरामद किए। पुलिस बदमाशों की क्रिमिनल हिस्ट्री निकालने में जुटी है। पिछले बुधवार को कोतवाली नगर के चौक ठठेरी बाजार में सराफा कारोबारी भरत जी सोनी की दुकान में डेढ़ करोड़ की लूट हुई थी। 5 बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। जिसके बाद से पुलिस लगातार इनकी तलाश कर रही थी। एक आरोपी विकास ने 3 दिन पहले रायबरेली में सरेंडर किया था। एक बदमाश अभी भी फरार है। कोतवाली नगर की पुलिस टीम और एसओजी को मुखबिर से 3 संदिग्धों की सूचना मिली। यह तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। कोतवाली नगर के घुड़वा चौकी इमलिया के पास पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इतने में पुलिस टीम पर फायरिंग करके बदमाश भागने लगे। इस बीच सिपाही शैलेश राजभर को एक गोली लगी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग करते हुए तीनों के पैर में गोली मार दी। मौके पर एडिशनल एसपी अरुण चव्द्र, सीओ सिटी शिवम मिश्रा पहुंचे।

सुबह करीब 4 बजे एसपी सोमेन वर्मा भी अस्पताल पहुंचे। पुलिस का कहना है कि इन तीनों बदमाशों ने थाना कोतवाली नगर में सराफा ज्वैलर्स के यहां डकैती में शामिल थे। बदमाशों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस की कार्रवाई के बाद सराफा व्यापारी भरत जी सोनी ने कहा- पुलिस अभी ज्यादा कुछ बरामद नहीं कर पाई है। हमारा करीब डेढ़ करोड़ का माल गया है। पुलिस की कार्रवाई से हम संतुष्ट हैं। पुलिस का कहना है कि पूरी कार्रवाई में 2-3 दिन का समय लगेगा। हम चाहते हैं कि पुलिस पूरा माल बरामद करे। बदमाशों को सख्त सजा मिले।

अमेठी में आश्रम पद्धति कॉलेज पहुंचे डीएम-एसपी

- सीसीटीवी कैमरे देखे, छात्राओं से बात करके समस्याएं जानीं

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी की डीएम निशा अनंत और पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति बालिका इंटर कॉलेज असैदापुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, रहन-सहन, खाने-पीने और अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने बालिकाओं से उनकी पढ़ाई की स्थिति के बारे में जानकारी ली और उपस्थित शिक्षकों को पढ़ाई की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए। छात्रावास का भी निरीक्षण किया गया, जहां लैंडलाइन फोन बंद पाया गया। इसे ठीक करने और किसी कर्मचारी की ड्यूटी लगाने के निर्देश प्रधानाचार्या को दिए गए। बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर विद्यालय परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे को 24 घंटे संचालित रखने के निर्देश दिए गए। डीएम ने बालिकाओं के रहने, खाने-पीने सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया और संबंधित वार्डन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रात के समय विद्यालय परिसर में पर्याप्त लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए। खेल मैदान में मिली बड़ी-बड़ी घास की सफाई करने के निर्देश भी दिए गए। जिला समाज कल्याण अधिकारी को रात के समय विद्यालय का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। डीएम ने बालिकाओं के भोजन और नाश्ते के संबंध में भी जानकारी ली।

अमेठी में ट्रेन से कटकर युवक की मौत

- रात में क्रॉसिंग पार करते समय हादसा, शव देखकर लोगों को हुई जानकारी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी जिले के जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र में बड़गांव रेलवे क्रासिंग पर देर रात एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां रेलवे क्रासिंग पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। युवक समर बहादुर गिरी (25) पुत्र निहोरे गिरी निवासी पूरे गोंसाई हुसैनगंज गांव का निवासी था। घटना की रात करीब 12 बजे समर बहादुर रेलवे क्रासिंग पार कर रहा था तभी अचानक तेज रफ्तार ट्रेन आ गई। ट्रेन की चपेट में आने से समर बहादुर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी स्थानीय निवासियों ने पुलिस को दी, जिसके बाद जगदीशपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जगदीशपुर एसएचओ धीरेन्द्र यादव ने पुष्टि की कि ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और जांच जारी है।

सिद्धार्थनगर में तीन शातिर लुटेरे गिरफ्तार

- 29 अगस्त को एक परिवार को लूटा था, छापेमारी में एक तमंचा दो कारतूस बरामद

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थनगर पुलिस एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने लूट की एक बड़ी घटना का खुलासा करते हुए तीन शातिर लूटेरे को गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से लूट के 4 मोबाइल, 1 आधार कार्ड, 1 पैन कार्ड, तीन हजार रुपए नगद और घटना में प्रयुक्त 1 तमंचा 315 बोर, 2 कारतूस तथा एक अपाचे बाइक बरामद की गई है। सीओ सदर अरुणकांत सिंह ने बताया कि 29 अगस्त की रात करीब 9:30 बजे अतिकुर्रहमान पुत्र मुस्तकीम अपनी पत्नी के साथ दवा कराकर अपने गांव लौट रहे थे। रास्ते में बसातलपुर जाने वाले मार्ग पर तीन अज्ञात अपराधियों ने उन्हें तमंचे की बट्ट से मारकर सोने का जेवर, मोबाइल, आधार कार्ड और 1 हजार रुपए नगद छीन लिया और फरार हो गए। इस मामले में सिद्धार्थनगर थाना में मुकदमा दर्ज किया गया था। एसपी प्राची सिंह ने घटना के खुलासे के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया। एएसपी सिद्धार्थ के निर्देशन और सीओ अरुणकांत सिंह के पर्यवेक्षण में मंगलवार को पुलिस टीम ने लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन अभियुक्तों को बसालतपुर मोड़ से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि सभी वैधानिक कार्यवाही पूरी कर अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। इस कार्रवाई ने सिद्धार्थनगर क्षेत्र में सुरक्षा की उम्मीदों को एक नई दिशा दी है और स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस सफल ऑपरेशन की सराहना की है।

पिता-भाई से विवाद में हुई बहन की मौत

- सिद्धार्थनगर में दोनों से अलग रह रही थी, जांच में जुटी पुलिस

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थनगर के डुमरियागंज थाना क्षेत्र के मेहंदी हरदो गांव में पिता और भाई के साथ विवाद के दौरान बहन अर्चना गौतम (28) की मौत हो गई। यह घटना घरेलू विवाद के चलते हुई है, और पुलिस मामले की जांच में जुटी है। सीओ अपराध सुजीत कुमार राय ने बताया कि आज सुबह सूचना मिली कि मेहंदी हरदो गांव में अर्चना गौतम अपने पिता सुखराम और भाई लवकुश के साथ विवाद में उलझ गई। अर्चना पिछले दो वर्षों से अपने परिवार से अलग रह रही थी। आज सुबह हुए इस विवाद में अर्चना को गंभीर चोटें आईं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। सीओ सुजीत कुमार राय ने बताया कि तहरीर लेकर विधिक कार्रवाई की जा रही है। परिवार में लंबे समय से चल रहे विवाद ने आज एक जान ले ली, और पुलिस अब इस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

अमेठी में ग्राम प्रधान ने महिला सेक्रेटरी से की अभद्रता

- सेक्रेटरी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी के मुसाफिरखाना में ग्राम पंचायत अधिकारी से अभद्रता करना ग्राम प्रधान को महंगा पड़ गया। महिला ग्राम पंचायत अधिकारी की तहरीर पर मुसाफिरखाना थाने में ग्राम प्रधान के खिलाफ सरकारी काम मे बाधा उत्पन्न करने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दरअसल, ये पूरा मामला मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के पिंडारा ठाकुर ग्राम पंचायत का है। जहां पर तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी नीलम गुप्ता ने कोतवाली में ग्राम प्रधान अमरेश सिंह के खिलाफ तहरीर दी। ग्राम पंचायत अधिकारी का आरोप है कि दो सितंबर को शासन की महत्वपूर्ण योजना प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण सर्वे 2024 के तहत जिला स्तरीय रोस्टर के अनुसार दो सितंबर को दोपहर दो बजे ग्राम पंचायत की बैठक होनी थी। इसके लिए ग्राम प्रधान अमरेश सिंह को फोन पर सूचना दी गई। सचिव की तहरीर के मुताबिक फोन करने पर रविवार को शाम करीब साढ़े चार बजे प्रधान के द्वारा धमकी, अमर्यादित भाषा, गाली गलौज दिया गया और भविष्य में देख लेने की धमकी दी गई।

यही नहीं ग्राम पंचायत की बैठक नही करवाने की भी धमकी दी गयी। ग्राम पंचायत अधिकारी ने जान माल एंव परिवार की सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग करते हुए थाने में तहरीर दी।

गो-आश्रय स्थलों में मूलभूत सुविधाओं को लेकर की बैठक

संबंधित अधिकारी रहे मौजूद, दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी डीएम निशा अनंत ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में निराश्रित गोवंशों के संरक्षण को लेकर जिले में संचालित गौशालाओं में हरा चारा, भूसा, पशु आहार, स्वच्छ पेयजल, शेड, बीमार पशुओं के इलाज समेत अन्य सुविधाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में डीएम ने नवीन गौशालाओं के निर्माण को लेकर समीक्षा की और कहा कि जिन गौशालाओं के निर्माण के लिए भूमि चिन्हित हो गई है वहां पर शीघ्र निर्माण कार्य प्रारंभ करें। सभी ब्लाकों और नगर निकायों में छुट्टा गोवंशों को पकड़ने के लिए शासन के आदेश के क्रम में कैटल कैचर खरीदने के निर्देश भी दिए। बैठक में डीएम ने सभी अधिकारियों से जिले में संचालित सभी गौशालाओं पर मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि सभी गो आश्रय स्थलों पर गोवंशों हेतु पर्याप्त मात्रा में पशु आहार, भूसा और हरा चारा की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए। साथ ही वहां पर गोवंशों के पीने का स्वच्छ पानी एवं छांव की उचित व्यवस्था रहे, जिन गौशालाओं में अतिरिक्त शेड बनने की व्यवस्था है। वहां पर अतिरिक्त शेड बनाया जाए। बैठक में डीएम ने कहा कि जिले में 116 गो आश्रय स्थल संचालित है। बैठक में उन्होंने कहा कि लोगों को जागरूक करें कि वह अपने गोवंशों को ना छोड़े और अगर गोवंश छोड़ते पाया जाए तो उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। डीएम ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को गोवंशों के शतप्रतिशत ईयरटैगिंग करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में डीएम ने सभी एसडीएम को अपनी-अपनी तहसील के अंतर्गत गौशालाओं का निरीक्षण करने के निर्देश दिए साथ ही साप्ताहिक बैठक भी करने को कहा। पशु चिकित्सकों को नियमित गौशालाओं में जाकर बीमार गोवंशों की देखभाल व चिकित्सीय उपचार करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर में सदस्यता अभियान के तहत कार्यशाला का आयोजन

- हर बूथ पर 200 सदस्य बनाए रखने का लक्ष्य, पूर्व विधायक ने दिया मार्गदर्शन

अमन लेखनी समाचार

सिद्धार्थनगर, सिद्धार्थनगर में भाजपा के सदस्यता अभियान के अंतर्गत डुमरियागंज मंडल के बेवा शक्ति केंद्र के अमरगढ़ स्मृति वाटिका बजरंगी चौक (बेवा जियाउद्दीन) बूथ पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने भाग लिया और बूथ के पदाधिकारियों और कार्यकताओं को सदस्यता अभियान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। भाजपा द्वारा बजरंगी चौक पर आयोजित इस सदस्यता अभियान के तहत पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कार्यकताओं को अभियान के महत्व और उसकी रणनीतियों के बारे में प्रशिक्षित किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान पार्टी के विकास और संगठन के सुदृढ़ीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

पूर्व विधायक ने बताया कि भाजपा के सदस्यता अभियान की शुरूआत दो सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय कार्यालय दिल्ली में सदस्यता लेकर की थी। इसके बाद तीन सितंबर को प्रदेश कार्यसमिति के सदस्यों द्वारा सदस्यता अभियान की शुरूआत की गई। चार सितंबर से जिला, विधानसभा, मंडल, सेक्टर, और बूथ स्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि हर बूथ पर कम से कम 200 नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा। यह सदस्यता अभियान पार्टी और संगठन के विस्तार का एक बड़ा अवसर है

बस ने बाइक को मारी टक्कर

हादसे में एक युवक की मौत, दूसरा गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती

अमन लेखनी समाचार

बांदा, बांदा में देहात कोतवाली क्षेत्र में ददरिया मोड़ के पास एक अनियंत्रित बस ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। जिसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने एक युवक, कुंज बिहारी को मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे विवेक शुक्ला की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना तब हुई जब बबेरू की ओर से आ रही बस ने पूजा-पाठ करके घर लौट रहे कुंज बिहारी और विवेक शुक्ला को टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को बुलाया। जिन्होंने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

हसनपुर में पुरानी रंजिश में दो पक्षों में जमकर मारपीट

- तीन लोग घायल, हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर

अमन लेखनी समाचार

हसनपुर, अमरोहा के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बीती रात पुरानी रंजिश को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। इस मारपीट में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उनके परिजनों ने कोतवाली पहुंचाया और आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस ने तहरीर लेकर घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेज दिया। जहां उनकी हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। गांव लुहारी खादर निवासी भगवत खड़गवंशी और उसके भाई वीरू के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। सोमवार की रात भगवत अपने परिवार के साथ खेत से घर लौट रहा था। तभी रास्ते में उसकी वीरू से कहासुनी हो गई। इसके बाद भगवत का आरोप है कि वीरू और उसके परिजनों ने उसके घर पर हमला कर दिया और जमकर मारपीट की। इस घटना में भगवत की पत्नी चमेली, भाई रामवीर, और भतीजी दुर्गेश गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को लेकर भगवत और उसके परिवार ने कोतवाली पहुंचकर आरोपी वीरू और उसके परिजनों के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर लेकर तीनों घायलों को सीएचसी भेजा। जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया

संक्षेप

ग्रामीणों ने सड़क मरम्मत कराने कि किया मांग

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर।पिपरौली ब्लाक क्षेत्र के भगवानपुर टोला भखरा में जर्जर को चुके करीब 100 मीटर सड़क को ग्रामीणों ने मरम्मत कराने कि मांग किया है। ग्रामीणों का कहना है की एक दशक पूर्व सड़क का निर्माण कराया गया था। वर्तमान समय में मरम्मत न होने से जगह जगह गढ़े बन चुके है। राहगीर आए दिन इन गड्ढों में गिर कर चोटिल रहे है।कई बार सड़क मरम्मत कराने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत किया लेकिन स्थित जस की तस बनी हुई है।ग्रामीणों ने चेतावनी दिया है कि समय से सड़क का मरम्मत नहीं कराया गया तो ग्रामीण आंदोलन के लिए बाध्य होगे।

बुलंदशहर में कबड्डी टूर्नामेंट

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, सिकंदराबाद कोतवाली क्षेत्र के दुल्हैरा गांव में आज एक भव्य कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट का शुभारंभ क्षेत्र की विधायक लक्ष्मी राज सिंह ने रिबन काटकर किया। उद्घाटन समारोह के दौरान विधायक ने खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। विधायक लक्ष्मी राज सिंह ने खेल की महत्वता को रेखांकित करते हुए कहा, कबड्डी खेल के दौरान खिलाड़ियों को एक-दूसरे की गतिविधियों और आंखों पर ध्यान देना चाहिए। सही समय पर प्रतिद्वंद्वी को छूकर एक अंक अपने नाम कर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि खेलकूद का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है और इससे शारीरिक व मानसिक विकास होता है। शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी भाग लेना चाहिए क्योंकि आज के समय में खेल क्षेत्र में भी रोजगार के सुनहरे अवसर उपलब्ध हैं। प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और खेल ग्रामीण भारत की आत्मा को दशार्ता है। इस अवसर पर विधायक लक्ष्मी राज सिंह के साथ नगर अध्यक्ष त्रिवेश राम गुप्ता, पालिका अध्यक्ष डॉ. प्रदीप दीक्षित, सोनू शर्मा, मोहन सैनी, बबलू भाटी, ऊदल भाटी, डॉ. सचिन अधाना सांवली, मोहित भाटी, अनुज पंवार, युद्धवीर पंवार, नितिन दुल्हैरा, प्रवेश भाटी, विशाल, कुलदीप, उपदेश, प्रदीप, पवन, यमन और मनीष चौधरी समेत कई लोग मौजूद रहे। इस टूर्नामेंट ने स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन दिया और खेल प्रेमियों में जोश भर दिया।

घोरावल में खेलते-खेलते कुएं में गिरी बच्ची, मौत

अमन लेखनी समाचार

घोरावल, सोनभद्र के घोरावल कोतवाली क्षेत्र के बिसरेखी गांव में सोमवार की शाम 2 वर्षीय बालिका की कुएं में डूबने से मौत हो गई। जिसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर गुरूओं का किया सम्मान

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पाली क्षेत्र अंतर्गत पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मोत्सव पर पी एन सेंट्रल एकेडमी में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन कर पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रंद्धाजलि अर्पित की गई। और बच्चों ने केक काटकर उनका जन्मदिन धूम धाम से मनाया और स्कूल के प्रबंधक कृष्ण मुरारी तिवारी ने उनके जीवन पर प्रकाश डाला। साथ ही शिक्षक के महत्व को बताते हुए कहा कि एक शिक्षक पूरी दुनिया को बदल सकता है और शिक्षा और शिक्षक के महत्व को समझाया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा क्विज प्रतियोगिता सहित रंगोली और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ । इसके बाद छात्र छात्राओं ने शिक्षिकाओं को उपहार भेंट किए। इस मौके पर स्कूल की प्रिंसिपल दिव्या राय ,राजेश शुक्ल काशी त्रिपाठी अभिषेक मिश्रा रुद्र प्रजापति विशाल सिंह जितेंद्र सिंह तारा सिंह रजनी दूबे ममता दिवेदी अदिति दूबे निधि पांडेय आराधना सिंह प्रियंका सिंह मधु उपाध्याय संजना सिंह आशी सिंह रोशनी प्राणपति चौबे आफरीन दिलीप भूनेश इरशाद सद्दाम सहित। इस दौरान डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि देकर उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया।

समस्याओं को लेकर बिजली कर्मचारियों के साथ चेयरमैन की बैठक

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत विकासखंड पाली क्षेत्र स्थित के नगर पंचायत घघसरा के चेयरमैन प्रभाकर दुबे ने गुरूवार को नगर में बिजली व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त करने के लिए बैठक की। बैठक में समस्याओं को रणनीति बनायी गयी। बैठक में काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया। चेयरमैन द्वारा बिजली अबाध गति से लोगों के घर तक पहुँच सके। इसके लिए विभाग के समक्ष एक प्रस्ताव रखा। जिससे कि सभी वार्डों के सभासदों ने अपने अपने बिचार रखे। बिजली सप्लाई के पुराने पोल, मकान के ऊपर से गुजरने वाले नंगे तार की जगह केबिल व्यवस्था करना ।ढीले तारों के कसने को शीघ्र कसने पर सहमति बनी । बैठक में- अधिशाषी अधिकारी अमित नायक,जेई जयराम गुप्ता,सभासद, राकेश,विनोद गुप्ता,अवधेश यादव, विजय प्रताप सिंह,ध्रुव गुप्त,सुंदरम् त्रिपाठी,छोटू पांडेय सहित कई लोग मौजूद थे।

कबाड़ी की पोखरे में डूबकर मौत, खोजबीन जारी

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। पीपीगंज नगर पंचायत वार्ड नंबर 4 में स्थित प्राथमिक स्कूल के बगल में पोखरे में एक कबाड़ी की डूबने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, 45 वर्षीय सुग्रीव कपड़े और चप्पल स्कूल के पास रखकर तालाब में कूद गया। परिजनो ने बताया सुग्रीव कबड्डी का काम गोली गंज में रहकर करता था।वह बांसगांव थाना क्षेत्र का रहने वाला है पांच बच्चियों का पिता है और बीवी साथ नहीं रहती है।सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पीपीगंज पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने काफी खोजबीन की, लेकिन समाचार लिखे जाने तक मृतक का शव बरामद नहीं हो सका।

नकली नोट देने के दो कारोबारियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। दो करोड़ के बदले आठ करोड़ रुपया नकली नोट देने के दो और कारोबारी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। राजेश यादव और आकाश यादव नाम के दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर ली। साथ ही आरोपितों के पास से 2.45 लाख रुपया बरामद किया गया है। आरोपितों को न्यायालय से जेल भेज दिया। सहजनवां थाना क्षेत्र के गोविंदपुर निवासी चंद्रिका निषाद ने पुलिस को तहरीर देकर कुछ लोगों पर जमीन देने के नाम पर दो करोड़ रुपया का धोखाधड़ी का केस अमरजीत बेलदार, सुदामा यादव और वीरेंद्र यादव के खिलाफ दर्ज कराए। जांच में पता चला कि आरोपितों ने दो करोड़ रुपया के बदले आठ करोड़ देने का वादा किए। पहली बार में 50 लाख देने के बाद रुपए नहीं दिए तो फिर जमीन देने का समझौता किया लेकिन कुछ दिन बाद डेढ़ करोड़ रुपया के साथ पीड़ित को बुलाए और फर्जी पुलिस के सहारे डेढ़ करोड़ रुपया लेकर चले गए। जांच में नकली नोट का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने बीते 28 अगस्त को आठ आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दी और 28.78 लाख नकद और एक चार पहिया वाहन बरामद की थी। एसओ विशाल उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस ने सिकरीगंज थाना क्षेत्र के पुरौली निवासी राजेश यादव के पास से 1.55 लाख और बांसगांव थाना क्षेत्र के रावतपार निवासी आकाश यादव के पास से 90 हजार रुपया बरामद किया। आरोपितों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

सीएचसी पर आयोजित हुआ स्वास्थ्य शिविर

चिकित्सकों ने घर-घर जाकर किया मरीजों का निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अशोक कुमार के निर्देशन पर जगह-जगह बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों की रोकथाम हेतु टीम बनाकर सर्वे कराया जा रहा है इसी प्रकार जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमौली अधीक्षक डॉक्टर पुष्कर कटियार के नेतृत्व में गठित हुई स्वास्थ्य टीम द्वारा बरसात के मौसम में होने वाली बीमारियों से बचाव के एवं बीमारियों की रोकथाम की जानकारी देने हेतु क्षेत्र के गंगौली ग्राम पंचायत में शिविर आयोजित किया गया स्वास्थ्य शिविर अंतर्गत मरीजों का सर्वे तथा उन्हें बीमारियों से रोकथाम बचाव हेतु जानकारियां प्रदान की गई शिविर अंतर्गत मौजूद चिकित्सक डॉक्टर राजेश डॉक्टर प्रदीप लैब टेक्नीशियन विकास फार्मासिस्ट अमन एवं सीएचओ अंशू आदि ने स्वास्थ्य शिविर में मरीजों की जांच की लगाए गए स्वास्थ्य सिविर में कुल 12 मरीज मौके पर पहुंचे जिनमें दो मरीजों को बुखार तथा 10 मरीजों को सर्दी जुकाम निकाला चिकित्सकों ने दो मरीजों का ब्लड टेस्ट किया जिसमें मलेरिया तथा टाइफाइड जांच करने पर नकारात्मक निकाला वही टीम ने मेडिकल कैंप के साथ-साथ गांव में भ्रमण करते हुए घर-घर जाकर मरीजों की जानकारी करते हुए उन्हें दवा वितरित की साथ ही साथ बरसाती मौसम में रहोने वाली बीमारियों से बचाव हेतु साफ सफाई मच्छरों से बचाव हेतु मच्छरदानी इत्यादि का प्रयोग करने के लिए आम जनमानस को प्रेरित किया

लाइनमैन और दुकानदारों के बीच मारपीट

- सीतापुर में पैसों के लेनदेन में विवाद, कई दुकानदार हुए चोटिल

अमन लेखनी समाचार

सीतापुर, सीतापुर के नैमिषारण्य थाना क्षेत्र में बिजली विभाग के कर्मचारियों और पटरी दुकानदारों के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर जमकर मारपीट हुई। इस संघर्ष के दौरान सड़क पर लाठी-डंडे चले और सड़क पर से गुजरने वाले लोग इसे तमाशबीन बनकर देखते रहे। मारपीट का वीडियो सामने आया है। घटना चक अतीत के पास स्थित लाई चुरा क्षेत्र की है, जहां पटरी दुकानदार अपनी रोजी-रोटी चलाते हैं। बताया जा रहा है कि लाइनमैन दीपू और अन्य कर्मचारियों ने दुकानदारों के साथ पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद किया। यह विवाद बढ़ते-बढ़ते इस कदर बिगड़ गया कि लाइनमैन और उसके साथियों ने दुकानदारों पर हमला कर दिया। मारपीट के दौरान दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चले, जिसमें दुकानदार घायल हो गए। इस मामले को बिजली चोरी और अवैध वसूली से भी जोड़कर देखा जा रहा है, हालांकि इस संबंध में पुष्टि की जानी बाकी है। प्रभारी निरीक्षक नैमिषारण्य पंकज तिवारी ने बताया कि दुकानदारों द्वारा मारपीट की तहरीर दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विद्यालयों में बरसी गुरु कृपा बच्चों ने किया गुरु पूजन

हर्षोल्लास के साथ जगह-जगह मनाई गई पूर्व राष्ट्रपति की जयंती

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। देश के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं द्वितीय राष्ट्रपति भारत रत्न डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जन्म जयंती जनपद के सभी शिक्षण संस्थानों में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने वाले इस पवित्र दिवस में विद्यालय एवं गुरुकुल के बच्चों ने अपने-अपने गुरुओं का वैदिक पूजन करते हुए गुरु दक्षिणा के रूप में उपहार सम्मान भेंट किया जनपद के अमौली विकासखंड अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय तारापुर में आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम में बच्चों ने चार चांद लगा दिए विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मनीषा शुक्ला के पहुंचते ही बच्चों ने मुख्य द्वार से ही पुष्प वर्षा करते हुए अपनी गुरु को कार्यालय तक ले गए जहां पुष्पगुच्छ कलम प्रतीक चिन्ह पुष्प माला इत्यादि अनेक सामग्री भेंट करते हुए बच्चों ने अपने गुरुजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया वही कौतूहल पूर्ण बच्चों का दृश्य देखते हुए विद्यालय की प्रधानाध्यापिका मनीषा शुक्ला की आंखें खुशी से नम हो उठी प्रधानाध्यापिका बच्चों को ढेर सारा प्यार दुलार दिखाते हुए भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन चरित्र के बारे में विस्तार वर्णन सुनाया वही बच्चों को भी ऐसे महान विभूति के पद चिन्हों पर चलकर देश के उच्च पद पर पहुंचने का शुभ आशीष प्रदान किया कार्यक्रम के समापन में विद्यालय प्रांगण अंतर्गत मिष्ठान वितरण किया गया जहां विद्यालय में मौजूद अभिभावक उमाकांत कुसुमकली रीना सुमित्रा कुंती देवी छात्र-छात्राएं यश मानसी अंजलि सिद्धार्थ संतोषी छाया साक्षी लक्ष्मी अथर्व समेत सभी बच्चे व अन्य लोग मौजूद रहे

अन्य विकास खण्डों में भी छाया रहा कौतूहल

इसी प्रकार देवमई विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय जगदीशपुर खजुआ विकासखंड के कंपोजिट विद्यालय आलमगंज कंपोजिट विद्यालय काजीखेड़ा इत्यादि में भी भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन की जन्म जयंती शिक्षक दिवस के रूप में उल्लासपूर्ण ढंग से मनाई गई वही विकासखंड ब्लॉक संसाधन केंद्र अंतर्गत मौजूद खंड शिक्षा अधिकारी खजुआ पवन द्विवेदी ने कंपोजिट विद्यालय आलमगंज की सहायक अध्यापिका ऊषा सेंगर काजीखेड़ा की सहायक अध्यापिका अनुप्रिया यादव समेत मौजूदा अन्य सभी शिक्षकों को उपहार सम्मान देकर सम्मानित किया सभी शिक्षकों ने खंड शिक्षा अधिकारी का सादर आभार व्यक्त किया

फर्जी तरीके से संचालित पैथोलॉजी लैब की गई सील

- बुलंदशहर में स्वास्थ्य विभाग ने मारा छापा, लोगों की शिकायत पर कार्रवाई

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, स्याना क्षेत्र के कस्बा बुगरासी में स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार को एक फर्जी पैथोलॉजी लैब पर छापा मारा। सीएचसी प्रभारी विपिन कुमार ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर लैब को सील कर दिया और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर संचालित होने के आरोप में नोटिस भी जारी किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी के दौरान पाया कि लैब मानकों के अनुरूप नहीं चल रही थी और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर इसका संचालन किया जा रहा था। ग्रामीणों की शिकायतों के आधार पर यह बड़ी कार्रवाई की गई है। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर विपिन कुमार ने कहा, हमने लगातार शिकायतें प्राप्त की थीं। इन शिकायतों को उच्च अधिकारियों के समक्ष उठाया गया और सीएमओ डॉक्टर विपिन कुमार के निर्देश पर छापेमारी की गई। डॉक्टर विपिन कुमार ने बताया कि लैब को सीज करने के साथ-साथ एक अन्य प्राइवेट क्लीनिक को भी नोटिस जारी किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई के बाद पैथोलॉजी लैब संचालकों में हड़कंप मच गया, और अधिकांश संचालक मौके से फरार हो गए।

स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि फर्जी तरीके से लैब और क्लीनिक का संचालन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मेरठ में नगर निगम की लापरवाही आई सामने

खुले गटर में गिरा साइकिल सवार, लोगों ने बचाया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, मेरठ में नगर निगम की बड़ी लापरवाही सामने आई है। नगर निगम के खुले गटर में साइकिल सवार गिर गया। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह उसे बचाया। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना के बाद भी नगर निगम को कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। ब्रहमपुरी थाना क्षेत्र स्थित भूमियापुल पर ओडियन नाले के पास एक साइकिल सवार खुले गटर में गिरकर घायल हो गया। गनीमत रही कि आसपास के लोगों ने समय रहते उसे गटर में गिरते देख लिया नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था। लोगों ने किसी तरह से साइकिल सवार को गटर से निकलकर एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शिकायत के बाद भी नगर निगम ने नाले की बाउंड्री या रेलिंग का काम शुरू नहीं करवाया है। इसके चलते आए दिन हादसे हो रहे हैं। फिर भी नगर निगम की नींद नहीं खुल रही है।

सीतापुर में बाघ ने गाय को बनाया निवाला

- घर के पीछे बंधी गाय को बाघ 300 मीटर दूर खींच ले गया, ट्रैप कैमरा लगाकर पकड़ने प्रयास

अमन लेखनी समाचार

सीतापुर, सीतापुर में भेड़िए की दहशत के बाद एक बार फिर बाघ ने अपनी आमद दर्ज कराई है। बाघ ने घर के बाहर बंधी गाय को हमला कर निवाला बनाया है। बाघ घर से करीब 300 मीटर दूर गन्ने के खेत मे गाय को खींच ले गया। जहां ग्रामीणों ने गाय के अवशेष बरामद किए है। एक सप्ताह बाद बाघ की आमद से एक बार फिर ग्रामीण दहशत में है। वन विभाग ने ट्रैप कैमरे को लगाकर बाघ की लोकेशन पता लगाने में जुट गया है। मामला महोली विकासखंड इलाके का है। यहां के ग्राम पीतमपुर ग्रांट में खूंटे से बंधी गाय को बाघ ने अपना शिकार बनाया है। जानकारी के अनुसार यहां के निवासी अजीत पुत्र श्रीकृष्ण की गाय घर के पीछे खूंटे से बंधी थी। बताया जाता है कि बाघ ने अचानक गाय पर हमला कर दिया और उसे अपने साथ करीब 300 मीटर दूर गन्ने के खेत में खींच ले गया। बाघ ने इस दौरान गाय के कुछ हिस्सों को अपना निवाला भी बनाया है। स्थानीय ग्रामीणों ने खेतों में अवशेष देखकर बाघ के होने की सूचना वन विभाग को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने पग चिन्हू के आधार पर बाग होने की मौजूदगी की पुष्टि की है। वन क्षेत्राधिकार सिकंदर सिंह ने बताया कि बाघ को पकड़ने के लिए गाय पर हमले किए जाने वाली जगह पर ट्रैप कैमरा लगाकर बाघ की लोकेशन का पता लगाया जा रहा है।

जल्द ही पिज्जा लगाकर बाग को पकड़ने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टीम लगातार क्षेत्र में कॉम्बिंग कर रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

सुलतानपुर डकैती कांड में अमेठी के 9 बदमाश शामिल

मास्टर माइंड विपिन सिंह पर 34 मुकदमे दर्ज,

अमेठी में बनी थी डकैती की फूलप्रूफ योजना

अमन लेखनी समाचार

अमेठी के पड़ोसी जिले सुल्तानपुर में सराफा व्यवसाई के यहां एक सप्ताह पहले हुई डकैती की फूलप्रूफ योजना अमेठी में बनी थी। घटना में 14 बदमाश शामिल थे जो अमेठी के अलावा प्रदेश के अलग-अलग जिलों के रहने वाले हैं। अब तक इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी को ढेर कर दिया है, जबकि तीन आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं।

एक अन्य आरोपी ने रायबरेली कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। अब तक 5 आरोपियों तक पुलिस पहुंच पाई है, जबकि अभी भी नौ आरोपी फरार हैं। घटना का मास्टरमाइंड विपिन सिंह है जो अमेठी के मोहनगंज थाना क्षेत्र का रहने वाला है जिस पर हत्या लूट डकैती के 34 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है ।घटना में जुड़े मुख्य आरोपी समेत चार आरोपियों के तार गुजरात से भी जुड़े हुए हैं। इन सभी बदमाशों ने गुजरात में भी कई बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया था जिसके बाद गुजरात पुलिस को भी इन आरोपियों की तलाश थी। इस पूरी वारदात में सबसे ज्यादा अमेठी के 9 बदमाश शामिल है जबकि पांच अन्य जिलों के रहने वाले हैं ।दरअसल, 28 अगस्त को सुल्तानपुर चौराहे पर स्थित भरत जी सर्राफ के यहां दिनदहाड़े डकैती की वारदात को बदमाशों ने अंजाम दिया था। करोड़ों रुपए के जेवरात और नगदी लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे प्रदेश में हड़कंप मचा हुआ था।पुलिस दिन दहाड़े हुई इस बड़ी वारदात के बाद लगातार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी।मास्टरमाइंड विपिन सिंह जिस पर 34 मुकदमें दर्ज है, उसने रायबरेली कोर्ट में आत्मसमर्पण किया था, जबकि दुर्गेश अभी फरार है।वहीं पांचवें दिन पुलिस ने मुठभेड़ के बाद घटना में शामिल तीन बदमाशों को लंगड़ा कर दिया।आज तड़के मुठभेड़ में एसटीएफ और सुल्तानपुर पुलिस में एक आरोपी को ढेर कर दिया। पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में अब तक पांच लोग ही पुलिस की पकड़ में है जबकि नौ आरोपी अभी भी फरार है

घटना को अंजाम देने के लिए बनाए गए थे तीन ग्रुप

सुल्तानपुर के घंटाघर चौक पर स्थित भरत जी सर्राफ के यहां डकैती की फुल प्रूफ योजना बनाई गई थी और इसके लिए तीन ग्रुप बनाए गए थे ।पहले ग्रुप में विपिन सिंह,फुरकान, अरबाज, सचिन और पुष्पेंद्र द्वारा ज्वेलर्स की दुकान की रेकी की गई थी।इसके बाद ज्वेलर्स की दुकान लूटने की योजना बनाई गई थी ।इस घटना के लिए मंगेश यादव द्वारा एक बाइक जौनपुर से चुराई गई ।चौक भीड़ भाड़ा वाला इलाका था इसलिए अलग-अलग ग्रुप में बदमाशों को रास्ते पर तैनात किया गया। पहले ग्रुप में पुष्पेंद्र त्रिभुवन और सचिन थे ।सचिन ने पुष्पेंद्र के सहयोग से त्रिभुवन की बोलेरो का इंतजाम किया था जिसका इस्तेमाल घटना को के बाद लूटे गए माल के साथ अपराधियों के रायबरेली भागना था दूसरे ग्रुप में विपिन सिंह,विनय शुक्ला, अजय यादव, अरविंद यादव, विवेक सिंह दुर्गेश प्रताप सिंह थे थे जिन्हें घटनास्थल के आसपास मौजूद रहकर अन्य अपराधियों को बैक अप देना था ।तीसरे ग्रुप को भरत जी ज्वैलर्स की दुकान में घुसकर लूटपाट करनी थी जिसमें फुरकान, अनुज प्रताप, अरबाज, मंगेश यादव और अंकित यादव शामिल थे।

पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम किया घोषित

जिनमें से कई बदमाशों पर पुलिस ने एक लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा है।इस घटना का मास्टरमाइंड अमेठी के मोहनगंज थाना क्षेत्र के चिनगाही गांव का रहने वाला विपिन सिंह पुत्र सोमेंद्र सिंह है ।विपिन पर गुजरात समेत प्रदेश के आधा दर्जन से अधिक जिलों में 34 गंभीर आपराधिक मामले दर्ज है। डकैती इस वारदात में अमेठी के 9 अपराधी शामिल थे। जिसमें सचिन सिंह पुत्र कुलदीप सिंह अमेठी कोतवाली क्षेत्र के भीमी गांव का रहने वाला है ,जिस पर सात मुकदमे दर्ज हैं।

दूसरा त्रिभुवन कोरी उर्फ का लाला पुत्र रामवृक्ष पीपरपुर थाना क्षेत्र के हारीपुर गांव का रहने वाला जिस पर दो मुकदमे दर्ज हैं ।तीसरा आरोपी पुष्पेंद्र उर्फ डब्बू पुत्र गोविंद सिंह भीमी गांव का रहने वाला जो अमेठी कोतवाली क्षेत्र में है ।चौथा अपराधी विपिन सिंह पुत्र सोमेंद्र सिंह मोहनगंज थाना क्षेत्र के चिनगाही गांव का रहने वाला है ।पांचवा आरोपी फुरकान उर्फ गुर्जर पुत्र मोहम्मद कैफ मोहनगंज थाना क्षेत्र के चन्दई चिलौली गांव का रहने वाला जिस पर दो मुकदमे दर्ज है, छठवां आरोपी अनुज प्रताप सिंह पुत्र धर्मराज मोहनगंज थाना क्षेत्र के जनापुर गांव का रहने वाला है जिसपर दो मुकदमे दर्ज है ।सातवां आरोपी अरबाज पुत्र शान मोहम्मद भी जनापुर गांव का रहने वाला है।आठवां आरोपी विनय शुक्ल पुत्र रामतीर्थ मोहनगंज थाना क्षेत्र के साहेमऊ गांव का रहने वाला है जिसपर 11 मुकदमें दर्ज है और नौंवा आरोपी विवेक सिंह पुत्र सोमेंद्र सिंह भवानीगढ़ थाना मोहनगंज गांव का रहने वाला है।

शुद्ध जल पीने बढ़ेगी जागरूकता : डॉ फूलकली गुप्ता

150 लाभार्थियों को जल जीवन मिशन द्वारा दिया गया प्रशिक्षण

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण क्षमता संवर्धन संबंधी ट्रेनिंग भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के प्रयोजन सेंटर ऑफ टेक्नोलॉजी एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सीटेड के तत्वाधान में ग्राम पेयजल लाभार्थियों को क्षमता समवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम दिया गया इसके समापन में फूलकती गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमेठी ने अपने कर कमलो से प्रमाण पत्र वितरण करते हुए कार्यक्रम की सराहना की इस कार्यक्रम से समुदाय के लोगों के बीच शुद्ध जल पीने की जागरूकता बढ़ेगी इस कार्यक्रम में प्रत्येक ग्राम पंचायत से नौ लाभार्थी भाग ले रहे हैं जिसमे आंगनवाड़ी, आशा बहू शिक्षक एनम, एवं स्वयं सहायता समूह के प्रतिभागी हैं कार्यक्रम प्रबंधक उदयनाथ मिश्र ने कार्यक्रम के विषय वस्तु पर चर्चा करते हुए बताएं कि इस कार्यक्रम में मानव जीवन मे पानी का महत्व, जल जीवन मिशन का परिचय, जल जीवन मिशन का उद्देश्य ,पंचायत स्तरीय समूह एवं समितियो की भूमिकाएं स्थानीय स्तर पर जल जीवन मिशन की वर्तमान स्थिति जल स्रोत स्थिरता एवं उसके लिए किए जाने वाले कार्य के बारे में जल गुणवत्ता एवं संबंधित मुद्दे के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी इस कार्यक्रम में 150 प्रतिभागियों ने भाग लिए कार्यक्रम मे अनिल वर्मा क्षमता संवर्धन एवम प्रशिक्षण डी0पी0एम0यू0, योजना के बारे मे विधिवत जानकारी प्रदान की सम-, जी जी आई एस पंकज सिह , रामसागर पूजा तिवारी कुमार ,आलोक तिवारी,शिव कैलाश, शबाना,मौजूद रहे सभी प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम की सराहना की कार्यक्रम मे रूपया 45 टी ए भी दिए गए कार्यक्रम खंड विकास अमेठी के गायत्री पीठ के कैम्पस में कराया जा रहा है

शिक्षक दिवस पर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की मनाई जयन्ती

अमन लेखनी समाचार

राठ (हमीरपुर)। कस्बा के सुमन भारती शान्ति निकेतन सरस्वती बालिका विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज में 5 सितंबर को डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयन्ती बडे हर्षोल्लास के साथ मनायी गई।जिसमे छात्राओं द्वारा उनकी उपलब्धियां एवं चरित्र और व्यवहार के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।इसके बाद छात्राओं ने कक्षाओं में आचार्य का रुप धारण कर शिक्षण कार्य किया। उपस्थित समस्त शिक्षको की मिमिक्री कर सभी को आनन्दित किया। और समस्त शिक्षको का सम्मान कर उपहार में एक-एक कलम दी गई। तदुपरांत प्रबंध समिति की अध्यक्ष मंजू परिहार, प्रबंधक अपर्णा गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रीति सोनी ने समस्त शिक्षको को सम्मानित कर उनके सम्मान में कुछ चुनिन्दा शब्दों से सभी का मार्गदर्शन किया गया। स्कूल के बच्चो द्वारा उत्साहवर्धन किया। शिक्षक सम्मान पाकर प्रसन्न होकर आशीर्वाद दिया। विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रवेश तिवारी ने अपने समस्त शिक्षक बहनो एवं बंधुओं को अपने स्नेह सहित सम्मानित वचनो द्वारा उत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम में समस्त शिक्षक (विद्यालय स्टॉप) उपस्थित रहे।

तीजा मेला की तैयारियों के तहत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने मेला स्थल का निरीक्षण व ब्रीफिंग कर दिये निर्देश

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। सुमेरपुर कस्बे में तीन दिवसीय ऐतिहासिक तीजा मेला के सफल आयोजन और सुरक्षा प्रबंधों के दृष्टिगत, जिलाधिकारी राहुल पांडेय एवं पुलिस अधीक्षक डा. दीक्षा शर्मा द्वारा मेला स्थल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान मेला क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था, तथा यातायात प्रबंधन को लेकर गहन समीक्षा की गई । निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला स्थल पर विभिन्न सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया और सुनिश्चित किया कि मेले के दौरान जनता को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। खासतौर पर मेला क्षेत्र के प्रवेश और निकास द्वारों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, आपातकालीन सेवाओं के लिए अलग से मार्ग तैयार करने तथा फायर ब्रिगेड और चिकित्सा टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

मेला ड्यूटी में तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशानिर्देश देते हुए कहा गया कि मेले के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होगी। साथ ही उन्होंने किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखने और तत्काल कार्रवाई करने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए। मेले में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए जाने की भी आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके तहत महिला पुलिसकर्मियों की विशेष तैनाती और मेला क्षेत्र में मदद केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा यातायात नियंत्रण के लिए मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था एवं मेले के दौरान वाहनों के सुचारु संचालन हेतु ट्रैफिक पुलिस को आवश्यक निर्देश दिए गए। पैदल आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग रास्ते की व्यवस्था की जाएगी ताकि भीड़भाड़ से बचा जा सके। निरीक्षण में अपर जिलाधिकारी, एसडीएम सदर पवन प्रकाश पाठक, सीओ सदर राजेश कमल व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौके पर उपस्थित रहे। उन्होंने भी अपनी-अपनी विभागीय जिम्मेदारियों के अनुसार मेले के सफल और सुरक्षित आयोजन के लिए आवश्यक प्रबंधों पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त मेला क्षेत्र में सफाई व्यवस्था, जलापूर्ति, शौचालय सुविधाएं और बिजली की निर्बाध आपूर्ति पर भी चर्चा की गई। जिससे आगंतुकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मेला आयोजन समिति और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय बनाए रखने के लिए एक कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा, जो पूरे मेला अवधि के दौरान सक्रिय रहेगा। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मियों से समर्पण और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आग्रह किया ताकि तीजा मेला एक सुरक्षित, व्यवस्थित और आनंददायक अनुभव साबित हो सके।

एनपीएस व यूपीएस को लेकर शिक्षकों ने काली पट्टी बांध जताया विरोध

पुरानी पेंशन की बहाली की कर रहे मांग

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। चौथे दिवस भी एनपीएस/यूपीएस के विरोध में डायट सुमेरपुर में प्रशिक्षण ले रहे शिक्षकों ने काली पट्टी बांधकर विरोध जताया। अटेवा की पुरानी पेंशन बहाली की मांग में समर्थन में शिक्षकों के साथ अन्य कर्मचारियों ने भी काली पट्टी बांध कर शांतिपूर्ण ढंग से कार्य करते हुए विरोध दर्ज कराया। बृहस्पतिवार को प्रदर्शन में डायट सुमेरपुर में प्रशिक्षण लेने आये शिक्षकों ने काली पट्टी बांध कर विरोध दर्ज कराया। जिला महासचिव कमल किशोर ने कहा कि विरोध प्रदर्शन में जनता का भी सहयोग लिया जाएगा और जन आंदोलन की राह पर चलते हुए सरकार को पुरानी पेंशन बहाली के लिए मजबूर किया जाएगा। जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र राजपूत ने कहा कि सभी शिक्षक व कर्मचारियों की एकजुटता का प्रयास दिखाई दे रहा है। जिला संयोजक मान सिंह राजपूत ने भी शिक्षक कर्मचारियों के हौसले को बढ़ाया। जिला प्रवक्ता रणविजय ने बताया कि अभी मौदहा और सुमेरपुर अटेवा इकाई का पुनर्गठन करना है जिसे शीघ्र गठन किया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह महतो ने बताया कि क्रमिक विरोध प्रदर्शन कल भी जारी रहेगा। जिला सहसंयोजक विनोद कुमार ने सभी शिक्षक कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया ।पंचायती विभाग ने भी अपने कार्यस्थल पर कार्य करते हुए सामूहिक विरोध दर्ज कराया ।स्वास्थ्य विभाग ने मरीजों को देखते हुए विरोध दर्ज कराया। इसके अलावा लोक निर्माण विभाग, कृषि विभाग, नलकूप और राजस्व विभाग ने भी सामूहिक विरोध दर्ज कराया है।

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट शिक्षकों को डीएम ने किया सम्मानित

माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा मिशन प्रबोधन का किया गया शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

अमेठी शिक्षक दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षक सम्मान समारोह एवं शैक्षिक गुणवत्ता, संवर्धन हेतु नवाचारी कार्यक्रम मिशन प्रबोधन का शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी निशा अनंत व मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने दीप प्रज्वलित कर किया तथा शिक्षक दिवस के अवसर पर जनपद के समस्त शिक्षकों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी एवं शिक्षकों को बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने का आवाह्न किया। डीएम ने कहा कि आप सभी शिक्षकगण कड़ी मेहनत करके बच्चों को अच्छी बातें सिखातें हैं जिससे बच्चों का सही से मार्गदर्शन होता है, स्कूलों में बच्चों को पूरी ईमानदारी के साथ पढ़ाएं तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए सही राह दिखाएं।सीडीओ ने कहा कि समाज में माता-पिता के बाद शिक्षक ही बच्चों को सही राह दिखाते हैं आप लोग बच्चों का भविष्य बेहतर बनाते हैं आप बच्चों को जो सीखते हैं वह बच्चे हमेशा याद रखते हैं जैसे संस्कार आप बच्चों में डालेंगे बच्चा वैसा ही बनेगा। शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दो खंड शिक्षा अधिकारियों डॉ संतोष कुमार यादव खंड शिक्षा अधिकारी भेंटुआ, हरिओम तिवारी खंड शिक्षा अधिकारी सिंहपुर, दो एआरपी ओंकारनाथ पांडे तथा सुरेंद्रनाथ पांडे एवं 24 शिक्षकों किरण सिंह, महेश तिवारी, सत्येंद्र कुमार मिश्रा, धर्मेंद्र कुमार, सुमिता यादव, वीरेंद्र कुमार, ज्वाला प्रसाद, पूजा तिवारी, रीता कुमारी, रितु यादव, प्रशांत विक्रम सिंह, अब्दुल कयूम, देशराज पाल, प्रदीप कुमार, छोटेलाल मौर्य, कांति सिंह, मोहित कुमार, जितेंद्र पांडे, राघवेंद्र प्रताप शुक्ला, सूर्य प्रताप सिंह, हृदय प्रकाश सिंह, अनुपम पांडे, किरण सिंह, अशोक वर्मा तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग के 6 प्रधानाचार्य जिनमें नवल किशोर सिंह, अमर कुमार श्रीवास्तव, राहुल सिंह, निर्भय सिंह, राजेश कुमार सिंह, संतोष कुमार मिश्रा तथा तीन सहायक अध्यापक मिथिलेश, आनंद, सुरेंद्र त्रिपाठी को प्रशस्ति पत्र व पौधा देकर सम्मानित किया गया।

आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत,तीन झुलसे

अमन लेखनी समाचार

मौदहा, हमीरपुर ।बुधवार शाम अचानक हुए मौसम में बदलाव के बाद आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग झुलस कर घायल हो गए ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायलों को इलाज के लिए मौदहा के सरकारी अस्पताल भेजा गया है। बिंवार थाना क्षेत्र के ग्राम सायर में बुधवार देरशाम अचानक हुए मौसम में बदलाव और छिटपुट बूंदाबांदी के बीच आकाशीय बिजली गिरने से ब्रह्म प्रकाश कुशवाहा(55)पुत्र धर्मदास की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बलवंता कुशवाहा(40)पुत्र रामरतन कुशवाहा, भूरा(45)पुत्र प्रभुदयाल,सहदेव(70)पुत्र दिबिया गंभीर रूप से झुलस गए ।सूचना पर पहुंची बिंवार थाना पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायलों को इलाज के लिए मौदहा के सरकारी अस्पताल भेजा गया है ।वहीं इस घटना के कुछ बकरियों की मौत की भी सूचना मिल रही है ।जबकि घटना की सूचना मिलते ही राजस्व विभाग के जिम्मेदारों ने भी मामले की जानकारी लेना शुरू कर दिया है।

आर एस पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

माता-पिता के बाद शिक्षक ही बच्चों को सही राह दिखाते हैं

अमन लेखनी समाचार

जगदीशपुर सिरियारी आर एस पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रख्यात शिक्षाविद, भारत रत्न तथा पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म दिवस शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम के स्कूल की सभी शिक्षक शिक्षिकाऐ तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रिंसिपल प्रज्ञा त्रिपाठी ने कहा कि आप सभी शिक्षकगण कड़ी मेहनत करके बच्चों को अच्छी बातें सिखातें हैं जिससे बच्चों का सही से मार्गदर्शन होता है, स्कूलों में बच्चों को पूरी ईमानदारी के साथ पढ़ाएं तथा उन्हें आगे बढ़ाने के लिए सही राह दिखाएं ।प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने कहा कि समाज में माता-पिता के बाद शिक्षक ही बच्चों को सही राह दिखाते हैं आप लोग बच्चों का भविष्य बेहतर बनाते हैं आप बच्चों को जो सीखते हैं वह बच्चे हमेशा याद रखते हैं जैसे संस्कार आप बच्चों में डालेंगे बच्चा वैसा ही बनेगा।

सदर विधायक ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को किया सम्मानित

शिक्षण संस्थानों में हुये विविध कार्यक्रम

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। शिक्षक दिवस पर क्षेत्र के सभी शिक्षण संस्थानों में देश के प्रथम पूर्व उप राष्ट्रपति डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पर शिक्षकों को उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और शिक्षा के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए सम्मानित किया गया। सदर विधायक ने विकासखंड मौदहा के छिरका गांव में शिक्षकों को डायरी पेन देकर सम्मानित किया। अन्य शिक्षण संस्थानों में छात्र छात्राओं एवं नन्हे मुन्ने बच्चों ने अपने शिक्षक गुरु शिष्य के मधुर संबंध को बनाए रखने के लिए अपने गुरु को उपहार स्वरूप पेन डायरी भेंट कर गुरु परंपरा को जीवंत किया। मौदहा के ग्राम छिरका में शिक्षक दिवस पर केक काटकर डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस मनाया गया। सदर विधायक डा. मनोज प्रजापति ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय तथा प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों को डायरी पेन देकर सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों व ग्राम वासियों को डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जीवन के बारे में बताकर शिक्षकों के सम्मान तथा शिक्षा का जीवन में महत्व पर चर्चा की। सदर विधायक ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान देना हम सबका उत्तरदायित्व है। इसी तरह कस्बे के सरस्वती विद्यामंदिर, नेशनल इंटर कॉलेज, रहमानिया इंटर कॉलेज, गांधी विद्यालय, सेंट पाल स्कूल, ऑक्सफोर्ड मॉडर्न पब्लिक स्कूल, बालिका इंटर कॉलेज सहित सरकारी व गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों के समर्पण, मार्गदर्शन व योगदान के प्रति आभार प्रकट करते हुए बताया गया कि गुरु और शिष्य के रिश्तों के लिए आज का दिन बेहद खास है। शिक्षक दिवस पर स्कूलों में कई तरह के कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया।

कार की टक्कर से युवक की मौत

कार छोड़कर भागा चालक

अमन लेखनी समाचार

अमेठी में देर रात एक साइकिल सवार युवक को कार ने टक्कर मार दी, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे स्थित कटरा मोड़ पर हुई ।पड़ोस के गांव वारशाबाद टांडा के निवासी लवकुश (40) किसी काम से वारिसगंज चौराहे की तरफ साइकिल से जा रहे थे। तभी एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में लवकुश गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एंबुलेंस की मदद से लवकुश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया ।घटना के बाद, आरोपी वाहन चालक कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया है और फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। भाले सुल्तान एसओ तनुज पाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है। पूरे मामले में पुलिस ने कहा कि कार सवारों की तलाश की जा रही है और इस घटना से संबंधित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

डॉक्टर सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

बढ़ती उम्र में जब अकसर हो जोड़ों में दर्द और जकड़न

मेरी उम्र 66 वर्ष है। सुबह सोकर उठते समय घुटनों में और शरीर के अन्य जोड़ों में दर्द-जकड़न महसूस होती है। देर तक बैठने के बाद उठने पर भी ऐसा होता है। क्या यह अर्थराइटिस का लक्षण है? मुझे क्या करना चाहिए?

-अजीत, बिलासपुर

यह समस्या आपको इस मौसम में हो रही है या पूरे साल रहती है? क्योंकि कई बार बारिश के मौसम में इस तरह की समस्या देखी जाती है और एक बार मूवमेंट शुरू होने पर ठीक हो जाता है। अगर पूरे साल ऐसी समस्या होती है तो जरूर आपको एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा लाइफस्टाइल में विटामिन डी और कैल्शियम की कमी कई लोगों में देखी जा रही है। आपकी उम्र भी बढ़ रही है इसलिए बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर जांच करवा लें।

मेरी उम्र 34 वर्ष है। बाकी मौसमों की तुलना में बरसात के मौसम में मेरे बाल बहुत अधिक झड़ने लगते हैं। कृपया इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-स्वप्निल, रायपुर

बारिश के महीने में बाल झड़ने के कई कारण होते हैं। पहले इस मौसम में कई बार पानी खराब यानी दूषित आता है, जिससे बाल झड़ते हैं। दूसरा, बालों में नमी रहती है, बाल जल्दी सूखते नहीं हैं और इस वजह से भी बाल झड़ने की समस्या आती है। इसलिए कोशिश करें कि आप बाल साफ पानी से ही धोएं और जब बाल काढ़ें तो पूरी तरह से सूख चुके हों। नमी वाले बालों को कभी ना खींचें।

मेरी उम्र 44 वर्ष है। घर से बाहर निकलने पर मेरी आंखों में पानी आने लगता है, ईचिंग होती है। कभी-कभी आंखों में सूजन भी आ जाती है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-दुर्गेश, रोहतक

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आप जहां रहते हैं, वहां पॉल्यूशन अधिक है। इसलिए जब आप घर से बाहर निकलते हैं तो आंखों में ईचिंग और आंसू निकलना शुरू हो जाते हैं। इसके लिए कोशिश करें कि जब आप घर से बाहर निकलें तो आंखों में चश्मा जरूर पहनें, जिससे पॉल्यूशन अंदर ना जाए। इसके साथ ही डॉक्टर से संपर्क कर आंखों की ड्रॉप ले लें और ईचिंग होने पर उसे डालें।

मेरी उम्र 58 वर्ष है। मुझे भूख बहुत कम लगती है। कुछ भी खाने के बाद खट्टी डकारें आने लगती हैं। कभी-कभी पेट में दर्द भी होने लगता है। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए, कृपया सलाह दें।

-महेंद्रनाथ, बस्तर

भूख कम लगने के कई कारण हो सकते हैं। सामान्य तौर पर पाचन क्रिया ठीक से काम ना करने की वजह से इस तरह की समस्या देखी जाती है। पहले आप अपना खान-पान ठीक करें। दोपहर में खाने के साथ सलाद, छाछ या दही जरूर लें और रात में हल्का खाना खाएं। इस तरह आपको समस्या से राहत मिल जाएगी। अधिक तला-भुना और ऑयली खाना भी बंद कर दें।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। दो साल पहले मेरे गाल ब्लैडर में स्टोन डिटेक्ट हुआ। कभी-कभार पेट में दर्द होता है, दवा खाने पर ठीक हो जाता है। प्लीज बताएं क्या ऑपरेशन कराना जरूरी है या दवा से कंट्रोल रहेगा?

-रोहित, भोपाल

स्टोन ऑपरेशन से निकलेगी या बगैर ऑपरेशन के निकलेगी, यह उसके साइज पर डिपेंड करता है। अगर साइज छोटा है तो दवा से निकल सकता है लेकिन अगर साइज बड़ा है तो आपको ऑपरेशन ही कराना पड़ेगा।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। मेरा बीपी कभी हाई कभी लो होता रहता है। इस वजह से कोई फिक्स दवा रेग्युलर नहीं खा पाता हूं। बीपी कंट्रोल करने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-जयकिशन, जांजगीर चांपा

इस तरह की समस्या होने पर बीपी को नियमित रूप में जांचते रहें। घर पर आप बीपी मशीन रख लें और रोज सुबह-शाम चेक करें। उसी के अनुसार आपको दवा लेनी चाहिए। इसके साथ ही आप संतुलित आहार लें, योग-प्राणायाम करें और भरपूर नींद लें। इससे आपको समस्या से राहत मिलेगी। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

अवेयरनेस

विवेक शुक्ला

दुनिया भर में हर साल कई लाख लोग अपनी जिंदगी की जंग हारकर मौत को गले लगा लेते हैं। खुद की जान को खत्म करने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर मुद्दा है। ऐसे में जरूरी है कि इसके कारणों को पहचाना जाए और इसे रोकने के लिए पारिवारिक, सामाजिक और सरकारी स्तर पर प्रयास किए जाएं।

किसी भी परिस्थिति में ना हों जिंदगी से हताश-निराश

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 8 लाख लोगों की मौतें प्रतिवर्ष दुनिया भर में आत्महत्याओं के कारण होती हैं। ऐसे में वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं। इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की अंधी सुरंग में जा रहे, लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।

एक बड़ा कारण डिप्रेशन

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट का आकलन है कि दुनिया भर में 300 मिलियन (30 करोड़) से अधिक लोग अवसाद (डिप्रेशन) के शिकार हैं। 4.5% आबादी देश में भी डिप्रेशन से जूझ रही है। महर्षि यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, डिप्रेशन, आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। अपनी जान को नुकसान पहुंचाने के मामलों में डिप्रेशन मुख्य भूमिका निभाता है। एक बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण ही आत्महत्या करते हैं।

तनाव भी है बड़ी वजह

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों का दुष्प्रभावः कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत भी खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है। इसके अलावा किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त ना कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति बिगड़ना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- निराशावादी बातें करना यानी दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें कहना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- सामाजिक मेल-मिलाप से कतराना।
- हमेशा अकेलेपन का एहसास होना।
- हमेशा अपने-आप में गुमसुम रहना।
- स्वभाव में अचानक परिवर्तन यानी जो व्यक्ति अकसर खुशमिजाज रहता हो, वह हमेशा उदास रहने लगे।
- समय पर खाना ना खाना, यानी भूख कम महसूस होना।
- नींद पूरी ना ले पाना, अनिद्रा से ग्रस्त होना।
- किसी कारण के बिना खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। उदाहरण स्वरूप लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

कारगर उपचार पद्धतियां

इलेक्ट्रो केनवल्सिव थेरेपीः इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार ईसीटी, डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैब्लेट्सः मनोचिकित्सक पीड़ित व्यक्ति को लगभग 2 से 3 हफ्ते तक एंटीडिप्रेशेंट दवाएं लेने का परामर्श देते हैं।

साइकोथेरेपीः इस थेरेपी में मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

ऐसे करें बचाव

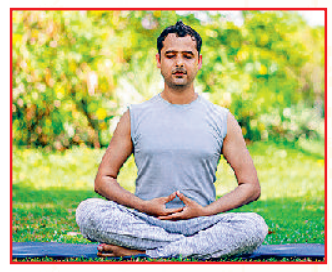

सामाजिक बनेंः मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।

डॉक्टर से कंसल्ट करेंः अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65% से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में डॉक्टर (मनोचिकित्सक) की हेल्प लेनी चाहिए।

आशावादी बनेंः ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्तियों में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास नहीं करता है।

हॉबी विकसित करेंः अगर आपकी संगीत, पेंटिंग या डांसिंग किसी में भी रुचि है तो इसके लिए डेली कुछ समय जरूर निकालें।

रोज योगासन करेंः विभिन्न योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

फैमिली मेंबर्स भी रखें इन बातों का ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार बेहतर करियर के लिए पढ़ाई का दबाव और अभिभावकों का अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें संजोना, किशोर और युवाओं को तनावग्रस्त बनाता है। यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इससे बचने के लिए अभिभावकों को अपने बच्चों पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास ले जाएं। *

(तुलसी हेल्थकेयर, नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

हेल्थ टिप्स

कई बीमारियों को दूर भगाए सहजन का पेड़

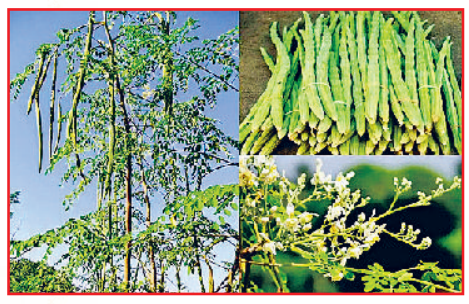

सहजन, जिसे मोरिंगा या ड्रमस्टिक भी कहा जाता है। सहजन के पेड़ को बीमारियां दूर करने वाला पेड़ माना जाता है। इसीलिए आयुर्वेद में सहजन के पेड़ को काफी महत्व दिया गया है। इसके फल, फूल, बीज और जड़ सभी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। लेकिन इसकी पत्तियों का सेवन सबसे ज्यादा सेहतमंद माना जाता है। एनसीबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, सहजन की पत्तियां विटामिन (ए, सी और ई), खनिज (कैल्शियम, पोटेशियम और आयरन) समेत आवश्यक अमीनो एसिड्स का एक पावर हाउस है। सहजन क्वेरसेटिन, क्लोरोजेनिक एसिड और बीटा-कैरोटीन जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स से भरा होता है। इन गुणों के कारण सहजन की पत्तियों के सेवन से आयु को कम करने वाली छः बीमारियां आस-पास नहीं फटकती हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, सहजन की पत्तियों के सेवन से नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर से बचा जा सकता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व लिवर के सूजन को कम करते हैं। सहजन की पत्तियों का सेवन कर लिवर को डैमेज होने से बचाया जा सकता है। सहजन की पत्तियों में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट क्वेरसेटिन ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है। इसकी पत्तियों में पोटेशियम भी होता है, जो धमनियों में ब्लड के सर्कुलेशन को आसान बनाता है। सहजन के पत्तों में इंसुलिन की तरह एक पदार्थ मौजूद होता है, जो बढ़े ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है। सहजन में मौजूद फाइबर भी ब्लड में शुगर के अवशोषण को धीमा कर देता है, जिससे डायबिटीज होने की संभावना कम हो जाती है। सहजन में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो खून में बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल के लेवल को कम करने में मदद करते हैं। इससे ब्लॉकेज से स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है। सहजन के पत्तों में पाया जाने वाला फाइबर पाचन क्रिया को सुधारने और कब्ज से राहत देने में उपयोगी होता है। इसकी पत्तियों में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण पाचन संबंधी समस्याओं का समाधान होता है। फाइबर और प्रोटीन की मौजूदगी के कारण भूख को नियंत्रित करने में आसानी होती है। सहजन की पत्तियों में मौजूद क्लोरोफिल भी शरीर के वजन को कम करने में सहायक होता है। *

प्रस्तुतिः अजेश कुमार

सजेशन

राजकुमार 'दिनकर'

हालांकि सामान्य घरों की डेली डाइट में रोटी जरूर शामिल होती है। लेकिन इसे केवल भूख मिटाने वाला भोज्य पदार्थ ही नहीं मानना चाहिए। ये अत्यंत पोषक और स्वास्थ्यवर्धक भी होती हैं। इनके गुणों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

डेली डाइट में शामिल करें पौष्टिक-लाभकारी रोटियां

यह सही है कि हमारे देश में अलग-अलग प्रांतों में पैदा होने वाले अनाज के अनुसार ही लोगों के भोजन की परंपरा बनी है। जिन राज्यों में चावल ज्यादा पैदा होता है, वहां चावल ज्यादा खाया जाता है। वहां चावल से ही अलग-अलग तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। ठीक इसी तरह जिन राज्यों में गेहूं का उत्पादन ज्यादा होता है, वहां रोटी ही उनके भोजन का मुख्य अंग होती है। चावल हो या रोटी, हमारे भोजन को दोनों ही पूर्णता प्रदान करते हैं। लेकिन रोटी खाने का अलग ही मजा है, साथ ही यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभकारी होती है।

होते हैं कई पोषक तत्वः रोटी हमारे आहार को पूर्ण बनाती है। इसमें कई पोषक तत्व जैसे- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, कैलोरी होती है, जो हमारे मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करके हृदय रोग से बचाती है। रोटी में जिंक, फोलिक एसिड पाया जाता है, जिससे हमारे हृदय की सेहत अच्छी रहती है। गेहूं के अलावा ज्वार, बाजरा, रागी और मक्का जैसे मोटे अनाजों की रोटी के भी बहुत फायदे हैं।

रोटी खाएं तो रखें ध्यानः रोटी खाने के अनेक फायदे हैं तो लापरवाही बरतने पर कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। जैसे इनमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट से ब्लड प्रेशर वाले मरीजों को दिक्कत बढ़ सकती है। अगर रोटी खाने पर नियंत्रण नहीं रखेंगे तो इससे वजन भी बढ़ सकता है। बहरहाल, दिनभर में एक आदमी के लिए दो से चार रोटियां काफी होती हैं।

कैसा हो आपका आटाः अब सवाल पैदा होता है कि जो रोटी हम खा रहे हैं, क्या वो वाकई पौष्टिक है? क्योंकि हम जिस आटे से रोटी बनाते हैं, वह आटा कैसा है, यह इस पर भी निर्भर करता है। जहां तक हो सके गेहूं, स्वयं पिसवाना चाहिए और गेहूं के आटे की रोटी बनाते समय उसमें चोकर को नहीं निकालना चाहिए। क्योंकि गेहूं की रोटी में मौजूद फाइबर हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त रखता है। बाजार से पैक्ड आटा खरीदने की बजाय चक्की में पिसा मोटा आटा खाएं। आजकल तो आटे में मिलावट भी काफी मात्रा में होती है, इसलिए घरेलू चक्की में पिसा आटा इसका एक बेहतर विकल्प हो सकता है। आजकल बाजार में कई किस्म के मल्टीग्रेन आटे मिलते हैं, जिसकी रोटी को स्वास्थ्यवर्धक और पौष्टिक माना जाता है। हालांकि कुछ आहार विशेषज्ञों का तो यह मानना है कि अलग अलग तरह के अनाजों को मिलाकर बनाया गया यह मल्टीग्रेन आटा खाने की बजाय मोटे अनाजों के अलग-अलग आटे खाने चाहिए, वो हमारे स्वास्थ्य के लिए ज्यादा फायदेमंद हैं। चने के बेसन की रोटी में भी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। इसकी बनी रोटी हमारे पाचनतंत्र को मजबूत रखती है। यह वजन कम करने में सहायक होती है, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में कैलोरीज होती हैं।

रखें ध्यानः यूं तो हमें तवे से उतरी गर्मा-गर्म रोटी खाना सबसे ज्यादा पसंद होता है और लोग बासी रोटी को अकसर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बासी रोटी हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है? पाचनतंत्र से जुड़ी समस्याओं को कम करती है। वजन घटाने में सहायक होती है, क्योंकि इसमें ताजी रोटी की तुलना में कम कैलोरीज होती हैं। यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के

साथ-साथ हमारी मांसपेशियों को भी मजबूत बनाती है। इसलिए रोटी अगर बच जाए तो कुछ घंटे के बाद भी बेधड़क इसे खाया जा सकता है। इसे ज्यादा स्वादिष्ट बनाने के फेर में ना रहें। इसे घी या दूसरे मसालों के साथ फ्राई करके खाने से इसके सारे गुण नष्ट हो जाते हैं। हालांकि यह ध्यान रखें कि गर्मी और बारिश के दिनों में 7-8 घंटे से अधिक बासी रोटी ना खाएं। *

हेल्थ एडवाइस

संध्या रानी

अस्त-व्यस्त जीवनशैली और कम फिजिकल एक्टिविटीज की वजह से लोग अकसर शारीरिक दर्द से परेशान रहते हैं। कई बार मौसम में बदलाव या किसी पोषक तत्व की कमी भी इसकी वजह हो सकती है। इनकी क्या वजहें हैं और इनसे कैसे करें अपना बचाव, डिटेल में जानिए।

जब शरीर को दर्द सताए घरेलू उपाय से राहत पाएं

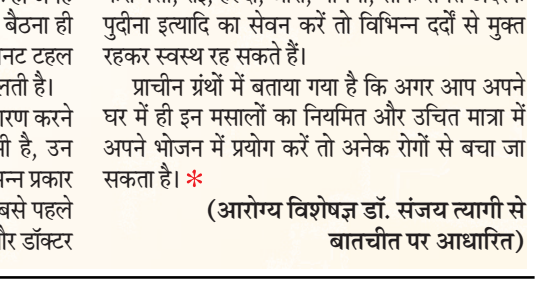

जब हाथ, पैर, कमर या पीठ में असहनीय दर्द होने लगता है तब यही लगता है कि इससे कैसे भी जल्दी से छुटकारा मिले। वैसे देखा जाए तो आजकल कमर, पीठ या हाथ, पैरों का दर्द अधिकांश लोगों के जीवन का एक हिस्सा बन गया है। इससे राहत पाने के लिए अगर आप अपनी जीवनशैली में कुछ बातों का ध्यान रखें तो दर्द से भी बचाव कर सकते हैं और अपनी शारीरिक कमजोरी को भी दूर कर सकते हैं। इसके लिए हमारे भोजन में भारतीय किचेन में उपयोग किए जाने वाले मसालों का बहुत बड़ा योगदान है। अब तो दूसरे देशों के लोग भी इसकी विशेषता को मानने लगे हैं।

शारीरिक दर्द के कारणः वैसे तो शारीरिक दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं। लेकिन आयुर्वेद के अनुसार यदि हमारे शरीर के किसी भी अंग में दर्द होता है तो वहां मुख्यतः वात का प्रकोप जरूर होता है। वैसे तो शरीर में कैल्शियम, विटामिन बी 12, विटामिन डी की कमी, थाइरॉयड और कुछ दूसरी बीमारियों के कारण, खून की कमी के कारण या चोट लगने की वजह से भी किसी अंग में दर्द हो सकता है। इतना ही नहीं, दर्द होने के अन्य कारण भी हो सकते हैं, जैसे कि ठीक से ना बैठना, अधिक देर तक खड़े होना, सही अवस्था में नहीं सोना भी इन कारणों में शमिल हैं। अब तो हालात यह हो गए हैं कि कमर दर्द की तकलीफ, किसी भी उम्र में हो सकती है। इसके लिए हमारा लाइफस्टाइल भी बहुत हद तक जिम्मेदार है। आजकल के जमाने में लोग ज्यादा आरामतलब जीवन जीना पसंद करते हैं, जैसे कि अधिक देर तक सोना, एक्सरसाइज या योगासन ना करना, रात में समय पर ना सोना, वातवर्धक और गरिष्ठ भोजन करना आदि। इन आदतों से भी दर्द की समस्या होती है।

बचाव के उपायः इस तरह के विभिन्न शारीरिक दर्दों से बचाव के लिए जरूरी है कि अपनी शारीरिक गतिविधियों का ध्यान रखें। एक ही जगह पर बहुत देर तक ना बैठें। अगर बहुत देर तक बैठना ही जरूरी है तो थोड़ी-थोड़ी देर में उठकर कुछ मिनट टहल लें। इससे मसल्स को रिलैक्स होने में मदद मिलती है।

दर्द निवारण के उपायः शारीरिक दर्द का निवारण करने के लिए आपके शरीर में जिन तत्वों की कमी है, उन कमियों को दूर करें। अगर आपके शरीर में विभिन्न प्रकार के विटामिंस और कैल्शियम की कमी है तो सबसे पहले उसे पूरा करें। इसके लिए पौष्टिक भोजन करें और डॉक्टर से पूछकर फूड सप्लीमेंट्स या विटामिन टैबलेट्स ले सकते हैं।

पौष्टिक भोजन का सेवन करेंः यह ध्यान रखें कि हमेशा हल्का और सुपाच्य भोजन ही करें। इसके साथ ही आवश्यकतानुसार दूध, घी और मक्खन का भी सेवन करें। जहां तक हो सके अपने भोजन में गरिष्ठ और वातवर्धक चीजों को शमिल ना करें। सदैव अपने भोजन में वात शामक द्रव्यों का ही उपयोग करें।

कई मसाले हैं कारगरः हमारे घर की रसोई में अनेक ऐसे मसाले होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। जब हम अपने भोजन में इन मसालों का उपयोग करते हैं तो इससे हमें खाने में रुचि जगती है और साथ ही साथ वात, पित्त, कफ आदि दोषों को भी नियंत्रित किया जा सकता है। यदि आप उचित मात्रा में घी, दूध के अलावा मसालों में मेथी, हींग, करी पत्ता, राई, हल्दी, जीरा, धनिया, सौंफ समेत अदरक पुदीना इत्यादि का सेवन करें तो विभिन्न दर्दों से मुक्त रहकर स्वस्थ रह सकते हैं।

प्राचीन ग्रंथों में बताया गया है कि अगर आप अपने घर में ही इन मसालों का नियमित और उचित मात्रा में अपने भोजन में प्रयोग करें तो अनेक रोगों से बचा जा सकता है। *

(आरोग्य विशेषज्ञ डॉ. संजय त्यागी से बातचीत पर आधारित)